समग्र शिक्षा

सबको शिक्षा, अच्छी शिक्षा

SCERT

स्वाध्यायान्मा प्रमदः

उत्कर्ष

गतिविधियों का ख़ज़ाना

हिंदी

कक्षा 6

राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्

वरूण मार्ग, डिफेंस कॉलोनी, नई दिल्ली 110024

ISBN: 978-93-93667-63-2
उत्कर्ष– हिंदी गतिविधियों का ख़ज़ाना कक्षा छठवीं
© राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्, दिल्ली
दिसम्बर, 2021
54,100 (प्रतियाँ)

प्रकाशित: राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्, दिल्ली

मुद्रित **राज प्रिंटर्स,** टोनिक सीटी, गाजियाबाद

MANISH SISODIA
मनीष सिसोदिया

सत्यमेव जयते

DEPUTY CHIEF MINISTER
GOVT. OF NCT OF DELHI
उप मुख्यमंत्री, दिल्ली सरकार
DELHI SECTT, I.P. ESTATE,
दिल्ली सचिवालय, आई.पी.एस्टेट,
NEW DELHI-110002
नई दिल्ली-110002
Email : msisodia.delhi@gov.in

D.O. No. DYCM/2021/291
Date : 21.12.2021

संदेश

दिल्ली सरकार गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक सार्वभौमिक पहुँच प्रदान करने के विभिन्न प्रयासों में सदैव तत्पर रही है। हमने समतामूलक और समावेशी शिक्षा को सुनिश्चित करने हेतु अनेक कार्यक्रम क्रियान्वित किए हैं। कोरोना महामारी ने पिछले दो वर्षों से स्कूली शिक्षा को गंभीर रूप से प्रभावित किया है। विद्यालय बंद होने से विद्यार्थी घरों तक सीमित होकर रह गए हैं। इस दौरान शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया को सुचारु रूप से चलाए रखने हेतु ऑनलाइन शिक्षा का प्रयोग किया गया किन्तु ऑनलाइन शिक्षा अपने तमाम गुणों के बावजूद सभी बच्चों तक अपनी पहुँच को लेकर प्रश्नांकित होती रही है। प्रायः शिक्षकों ने विद्यार्थियों से ऑनलाइन कक्षाओं के माध्यम से जुड़ने और उनकी प्रगति का आकलन करने का प्रयास किया। वंचित समूहों, प्रवासी मजदूरों के बच्चों, प्रथम पीढ़ी के छात्रों और विविध परिस्थितियों में ऑनलाइन शिक्षण से न जुड़ पाने वाले विद्यार्थियों को विद्यालयी शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने की आवश्यकता एक चुनौती के रूप में मौजूद ही रही। इन्हीं पहलुओं को ध्यान में रखते हुए, सभी बच्चों को वांछित सीखने के परिणामों की ओर उन्मुख करने और उनकी अधिगम में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने हेतु 'उत्कर्ष' पुस्तक श्रृंखला का निर्माण किया गया है।

राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, नई दिल्ली और समग्र शिक्षा के संयुक्त प्रयास से ऐसी गतिविधियों का निर्माण किया गया है जो शिक्षा के इस अंतराल की पूर्ति करने में सहायक सिद्ध होंगी। प्रायोगिक अधिगम पर आधारित ये गतिविधियाँ जहाँ विद्यार्थियों में पढ़ने-लिखने और संख्याओं के साथ बुनियादी संक्रियाओं को करने में कारगर होंगी, वहीं उनके शारीरिक-भौतिक, संज्ञानात्मक, सामाजिक, संवेगात्मक, नैतिक और सांस्कृतिक विकास हेतु प्रभावी माध्यम के रूप सहायक होंगी।

हिंदी, अंग्रेजी, सामाजिक विज्ञान, विज्ञान, उर्दू, पंजाबी और गणित में कक्षा 6 से 8 (मिडिल स्तर) पर बनाई गई गतिविधियों की ये पुस्तकें खेल-आधारित, बहुआयामी और खोज आधारित शिक्षा की संकल्पना को मूर्त रूप प्रदान करती हैं। बेहतर अधिगम परिणामों हेतु सामाजिक विज्ञान, गणित और विज्ञान की पुस्तकों को हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में बनाया गया है। विद्यार्थी खेलों और गतिविधियों के द्वारा मानवीय संवेदनाओं, समूह में कार्य करना, आपसी सहयोग, शिष्टाचार और श्रेष्ठ नागरिक के गुणों को भी स्वयं में आत्मसात कर पाएँगे। आशा है कि इन पुस्तकों के माध्यम से एक नवीन शैक्षिक क्रांति का सूत्रपात होगा। विद्यार्थियों की अवधारणात्मक समझ के साथ-साथ उनमें रचनात्मकता और तार्किक चिंतन की प्रवृत्तियों का विकास होगा। अनुभव-आधारित शिक्षण पर आधारित ये पुस्तकें स्थानीय संदर्भों की विविधता, बहुभाषिकता और स्थानीय परिवेश के लिए सम्मान को समाहित किए हुए हैं। मुझे पूर्ण विश्वास है कि समतामूलक और समावेशी शिक्षा हेतु ये पुस्तकें विद्यार्थियों को सुदृढ़ आधार प्रदान करेंगी और शिक्षा जगत में मील का एक पत्थर सिद्ध होंगी।

(मनीष सिसोदिया)

H. RAJESH PRASAD
IAS

सत्यमेव जयते

प्रधान सचिव (शिक्षा/प्रशिक्षण व तकनीकी शिक्षा/ उच्च शिक्षा)
राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र
दिल्ली सरकार
पुराना सचिवालय, दिल्ली-110054
दूरभाष: 23890187 टेलीफैक्स : 23890119

Pr. Secretary (Education/TTE/ HE)
Government of National Capital Territory of Delhi
Old Secretariat, Delhi-110054
Phone : 23890187, Telefax : 23890119
E-mail : secyedu@nic.in

संदेश

मुझे यह बताते हुए अत्यंत हर्ष हो रहा है कि कोरोना काल के लगभग दो साल के विकट दौर के बाद हम पुनः सामान्य जीवन की ओर अग्रसर हो रहे हैं। कोरोना महामारी पर नियंत्रण पाने में हमने अभूतपूर्व सफलता अर्जित की है। शिक्षा के क्षेत्र में भी पिछले दो वर्षों से ऑनलाइन शिक्षण, कार्यपत्रकों व ऑनलाइन गतिविधियों का सफल प्रयोग किया गया किंतु शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया के प्रत्यक्ष न हो पाने से और विद्यार्थियों से प्रत्यक्ष संपर्क व संवाद के अभाव में, कुछ पारिवारिक एवं आर्थिक कारणों की वजह से, सीखने की इस श्रृंखला में हमारे कई विद्यार्थी हमसे छूट गए हैं और उनके अधिगम के स्तर पर इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है।

इस अधिगम अंतराल की चुनौती को हल करने हेतु अधिगम संवर्धन कार्यक्रम के अंतर्गत 'उत्कर्ष' पुस्तक श्रृंखला निर्मित की गई है। इन पुस्तकों में अनेक गतिविधि-पत्रक हैं जो कक्षा विशेष के अनुरूप अधिगम प्रतिफलों के आधार पर विकसित किए गए हैं । विद्यार्थियों की संस्कृति, बहुभाषिकता और उनके परिवेश को ध्यान में रखते हुए सीखने के सामाजिक संदर्भों के इर्द-गिर्द गतिविधियाँ रची गई हैं। विद्यार्थियों के भावनात्मक और बौद्धिक स्तर के अनुसार इन गतिविधियों का निर्माण किया गया है ताकि विद्यार्थियों की सीखने की प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी को सुनिश्चित किया जा सके।

आशा है कि विद्यार्थी इन गतिविधियों के माध्यम से ज्ञान सृजन की प्रक्रिया में सक्रिय सहभागी बनेंगे और उनका सर्वांगीण विकास होगा ।

इसी शुभकामना के साथ...

(एच. राजेश प्रसाद)

HIMANSHU GUPTA, IAS
Director, Education & Sports

सत्यमेव जयते

Directorate of Education
Govt. of NCT of Delhi
Room No. 12, Civil Lines
Near Vidhan Sabha,
Delhi-110054
Ph.: 011-23890172
E-mail : diredu@nic.in

संदेश

"वह पथ क्या पथिक कुशलता क्या जिस पथ पर बिखरे शूल न हों
नाविक की धैर्य परीक्षा क्या यदि धाराएँ प्रतिकूल न हों"

-- जयशंकर प्रसाद

जीवन की विकट परिस्थितियों में ही हमारे व्यक्तित्व और चरित्र का सही आकलन हो पाता है। कोरोना महामारी के संकट ने संपूर्ण विश्व को झकझोर दिया। हमारे देश ने इस संकट से निपटने हेतु अनेक प्रयास किए हैं। इन प्रयासों से अनेक आशातीत सफलताएँ भी अर्जित हुई। किन्तु सामान्य जीवनधारा पर इसका प्रतिकूल प्रभाव अभी भी स्पष्ट देखा जा सकता है। इन प्रतिकूलताओं से उबरने के लिए हम सभी प्रतिबद्ध हैं और निष्ठापूर्वक इस दिशा में प्रयासरत हैं। विद्यालयी शिक्षा के क्षेत्र पर इसका सर्वाधिक प्रभाव पड़ा है। वर्तमान परिदृश्य में यह अत्यंत आवश्यक है कि सीखने के प्रतिफलों की वर्तमान स्थिति और वांछनीय अधिगम प्रतिफलों के बीच की खाई को पाटा जाए। सभी विद्यार्थियों को समान रूप से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के महत्वपूर्ण लक्ष्य को केंद्र में रखकर 'उत्कर्ष' पुस्तक श्रृंखला को तैयार किया गया है। कक्षा 6 से 8 (मिडिल स्तर) के विद्यार्थियों के लिए ऐसी रोचक गतिविधियों का निर्माण किया गया है जो उन्हें जिज्ञासा, खोज, अनुभव और संवाद के विभिन्न अवसर उपलब्ध कराते हुए जीवन के सभी पक्षों हेतु सुदृढ़ आधारभूमि प्रदान करेंगी। बदलती परिस्थितियों में यह अत्यंत आवश्यक है कि विद्यार्थी 21वीं सदी के कौशलों में दक्ष हो, साथ ही उनमें नैतिकता , तार्किकता, तदानुभूति और संवेदनशीलता का भाव विकसित हो जिससे वे भावी समय में उत्कृष्ट जीवन की ओर अग्रसर हों। हिन्दी, गणित, अंग्रेजी, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, उर्दू और पंजाबी विषयों/भाषाओं पर लिखी गई पुस्तकें जहाँ विद्यार्थियों की रचनात्मक क्षमताओं का विकास करेंगी, वहीं उनके दैनिक परिवेश से परस्पर सहज जुड़ाव और समन्वय स्थापित करेंगी। ये गतिविधि-पत्रक बहुविषयक और समग्र शिक्षा के लक्ष्य को ध्यान में रखकर बनाए गए हैं, जिनमें सीखने के लिए पर्याप्त अवसर प्रदान किए गए हैं। स्वअनुदेशात्मक आधार पर निर्मित गतिविधियाँ, रंग-बिरंगे चित्र, गीत, कविताएँ, पहेलियाँ, कहानियाँ, कार्टून, पोस्टर, खेल, कठपुतलियाँ आदि बरबस ही विद्यार्थियों का ध्यान आकर्षित कर उन्हें स्वमूल्यांकन हेतु प्रेरित करेंगी और प्रभावशाली अधिगम का मार्ग प्रशस्त करेंगी।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि विद्यार्थियों की सामान्य तथा विशेष अधिगम कठिनाइयों के निदान तथा वांछित सीखने के प्रतिफलों की संप्राप्ति में ये पुस्तकें प्रभावकारी माध्यम सिद्ध होंगी। साथ ही समावेशी, समतामूलक और न्यायपूर्ण समाज के निर्माण में प्रत्यक्ष रूप से योगदान देंगी।

शुभकामनाओं सहित...

(हिमांशु गुप्ता)

Rajanish Singh
Director

State Council of Educational Research and Training
(An autonomous Organisation of GNCT of Delhi)
Varun Marg, Defence Colony, New Delhi-110024
Tel. : +91-11-24331356, Fax: +91-11-24332426
E-mail: dir12scert@gmail.com

Date : 20/12/2021

D.O. No. : 10(V)/Misc/SCERT/DPE/2021-22/212

संदेश

प्यारे बच्चों, कोरोना की वैश्विक महामारी के चलते विगत पौने दो वर्षों का समय अत्यंत चुनौतीपूर्ण रहा। लंबे कोरोना काल ने वैश्विक स्तर पर मानव जीवन के ज्यादातर क्षेत्रों को नकारात्मक रूप से प्रभावित किया है। इस सर्वग्रासी विभीषिका ने मनुष्य के स्वास्थ्य, आजीविका, अर्थव्यवस्था और सामाजिक जीवन को छिन्न-भिन्न कर दिया। कोरोना से सबसे बुरी तरह से प्रभावित होने वाले क्षेत्रों में शिक्षा बेहद महत्वपूर्ण है। हमारे देश में कोरोना की पहली लहर के दौरान विद्यालयी शिक्षा लगभग बाधित रही । दूसरी लहर के दौरान भी स्थिति चिंताजनक बनी रही। विद्यालयों को बंद रखने के अतिरिक्त कोई और विकल्प न होने से विद्यार्थियों के सीखने-सिखाने की प्रक्रिया लंबे समय तक स्थगित रही। दिल्ली सरकार और विभिन्न संस्थाओं ने अपने-अपने स्तर पर ऑनलाइन शिक्षा की व्यवस्था कर इस अपूर्णीय क्षति को कुछ कम करने के अनेक प्रयास अवश्य किए। यह भी विदित है कि विद्यालय की कक्षा में चलने वाली एक प्रत्यक्ष शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया के दौरान विद्यार्थियों को पाठ्यवस्तु के साथ सक्रिय रूप से अंतःक्रिया करने के जितने अवसर उपलब्ध होते हैं, वह ऑनलाइन शिक्षण में संभव नहीं है। इसके अतिरिक्त ऑनलाइन शिक्षण की पहुँच समाज के प्रत्येक तबके तक सुनिश्चित कर पाना भी एक बड़ी समस्या रही है।

इन सभी चुनौतियों को मद्देनजर रखते हुए यह महसूस किया गया कि हमारे कुछ विद्यार्थियों में कोरोना काल के दौरान एक विशेष प्रकार का अधिगम अंतराल उत्पन्न हो गया है। प्यारे बच्चों, 'उत्कर्ष' पुस्तक श्रृंखला इस अधिगम अंतराल को कम करने की दिशा में एक पहल है। यह पुस्तक गतिविधि-पत्रकों का एक संकलन है जो आपको स्वयं सीखने के अधिक से अधिक अवसर प्रदान करती है। इन गतिविधि-पत्रकों का उपयोग आप बिना किसी शिक्षक की सहायता के स्वयं भी कर सकते हैं। खेल-खेल में सीखने की प्रक्रिया से गुजरते हुए यह पत्रक आपको निर्धारित कक्षा के अपेक्षित अधिगम प्रतिफलों की संप्राप्ति में सहायता करेंगे। मनुष्य अपने रोजमर्रा के जीवन में अपने परिवार, पास-पड़ोस, समुदाय, प्रकृति व परिवेश से कुछ न कुछ सीखता ही रहता है। मनुष्य के सीखने की इसी नैसर्गिक विशेषता को ध्यान में रखते हुए इन गतिविधि-पत्रकों को आपके ही कुछ अनुभवी शिक्षकों ने तैयार किया है। मुझे आशा है कि राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, दिल्ली का यह प्रयास मिडिल स्तर के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने में सार्थक सिद्ध होगा । इन गतिविधियों में आप अपने सामाजिक-सांस्कृतिक परिवेश की झलक तो पाएँगे ही, अपेक्षा यह भी है कि इसके माध्यम से आप आधुनिक समाज के लिए जरूरी कौशलों को भी सीख पाएँ और एक सुखी व स्वस्थ जीवन की ओर अग्रसर हों ।

शुभकामनाओं सहित...

(रजनीश सिंह)

State Council of Educational Research and Training

(An autonomous organisation of GNCT of Delhi)

Dr. Nahar Singh
Joint Director

Tel. : +91-11-24336818, 24331355, Fax 91-11-24332426
Tel. : +91-11- 24331355, Fax 91-11-24332426
Email : jdscertdelhi@gmail.com

Date: 20/12/2021

D. O. No. :11(2)/JDR/Misc./SCERT/2021-22/213

संदेश

प्रिय विद्यार्थियों,

" पृथ्वी कहती धैर्य न छोड़ो कितना ही हो सिर पर भार,

नभ कहता है फैलो इतना ढक लो तुम सारा संसार"

—सोहनलाल द्विवेदी

कोरोना काल हमारे लिए अनेक चुनौतियाँ लेकर आया है, किंतु इन्हीं चुनौतियों ने हमारे जीवन को नवीन दिशा प्रदान की तथा धैर्य, अदम्य साहस और स्वावलंबन को अपनाने की प्रेरणा दी। पिछले कुछ समय से तालाबंदी के दौरान विद्यालयी शिक्षा सुचारु रूप से नहीं हो पाई, जिससे बच्चों के सीखने की प्रक्रिया बाधित हुई। इस संदर्भ में एक महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि घरों में ऑनलाइन पढ़ाई कर रहे बच्चे क्या अपनी निर्धारित कक्षा व विकासात्मक स्तर के अनुरूप ज्ञान, कौशल और दक्षता का अर्जन कर पा रहे हैं? विभिन्न अध्ययनों और शिक्षकों से बातचीत के दौरान यह बात उभर कर सामने आई कि ऑनलाइन शिक्षण कुछ मूलभूत शैक्षिक कौशलों के विकास में पूर्णतः सक्षम नहीं है। अतः विद्यार्थियों में वांछित अधिगम की संप्राप्ति में कुछ स्पष्ट अंतराल रह गए। वर्तमान परिप्रेक्ष्य में यह अत्यंत प्रासंगिक है कि सीखने के इस अंतराल को कम करने की दिशा में सार्थक प्रयास किए जाएँ। अधिगम के स्तर पर इसी अंतराल को कम करने के लिए राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्, नई दिल्ली और समग्र शिक्षा के संयुक्त प्रयास से आपके लिए विशेष पाठ्य सामग्री का निर्माण किया गया है, जिसे 'उत्कर्ष' नामक पुस्तक में संकलित कर आपके समक्ष प्रस्तुत किया गया है। यह पुस्तक आप में निरीक्षण, आलोचनात्मक चिंतन, सृजनात्मक चिंतन, प्रश्न पूछना, समस्या समाधान, प्रभावी संप्रेषण, निर्णय लेना, तदानुभूति और तत्कालीन मुद्दों के प्रति संवेदनशीलता का भाव विकसित करेगी।

आपके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाओं के साथ...

(डॉ. नाहर सिंह)

शिक्षकों से संवाद

शिक्षक साथियों, हिंदी की गतिविधियों का ख़ज़ाना पुस्तक आपके हाथ में है। यह पाठ्य सामग्री विद्यार्थियों के भाषायी कौशलों को विकसित करने हेतु गतिविधि–पत्रकों के रूप में है। इस पुस्तक में कुल 53 गतिविधि–पत्रक हैं। ये गतिविधि–पत्रक विद्यार्थियों के दैनिक जीवन और स्थानीय परिवेश से जुड़ी घटनाओं पर आधारित हैं। ये गतिविधि–पत्रक विद्यार्थियों के स्वयं करके सीखने के सिद्धांत पर आधारित हैं। उसे उपयोग में लाने से पहले भाषा शिक्षण संबंधी कुछ महत्वपूर्ण सिद्धांतों को ध्यान में रखना चाहिए।

- विद्यार्थियों को स्वयं करके सीखने के अत्यधिक अवसर प्रदान किए जाएं।
- विद्यार्थियों को अपने परिवेश से जुड़ी घटनाओं व परिस्थितियों को खोजने, समझने और जानने के बारे में प्रेरित करें।
- विद्यार्थियों को अपने अनुभवों को साझा करने के अत्यधिक अवसर प्रदान किए जाएं।
- विद्यार्थियों को प्रेरित करें कि वे अपने मित्रों, माता–पिता, परिवारजनों से गतिविधियों पर चर्चा करें।
- विद्यार्थियों को प्रश्न पूछने के लिए निरंतर प्रोत्साहित करें।

ये गतिविधि–पत्रक इस प्रकार निर्मित किए गए हैं कि विद्यार्थी बिना शिक्षकों की सहायता से इन गतिविधियों को स्वयं करते हुए सीखने की प्रक्रिया में सक्रिय भागीदार बनें।

शिक्षकों के लिए निर्देश

- राज्य शैक्षिक अनुसंधान एंव प्रशिक्षण परिषद्, दिल्ली द्वारा बनाए गए गतिविधि–पत्रकों का उपयोग केवल अभ्यास के उद्देश्य से किया जाना चाहिए।
- शिक्षक सभी विद्यार्थियों को निर्देशित करें कि दिए गए गद्यांश, काव्यांश व चित्र सामग्री का ध्यान पूर्वक मौन वाचन करें , इस दौरान शिक्षक सहयोग प्रदान करें।
- विद्यार्थियों द्वारा वाचन के उपरान्त शिक्षक प्रश्नों का वाचन करें।
- सभी गतिविधि–पत्रक सीखने के प्रतिफलों पर आधारित हैं।
- प्रत्येक गतिविधि–पत्रक में अभ्यास हेतु प्रश्न दिए गए हैं, अगर विद्यार्थी प्रश्नों को समझने में सक्षम न हो तो शिक्षक उन्हें समझाने का प्रयास करें।
- विद्यार्थियों द्वारा गतिविधि–पत्रकों को पूरा करने व लेखन हेतु शिक्षक उन्हें पर्याप्त समय प्रदान करें।
- सुनिश्चित करें कि प्रत्येक विद्यार्थी गतिविधि–पत्रक को पूर्ण करें।
- विद्यार्थी अगर मातृभाषा में उत्तर देता है तो शिक्षक उसे हतोत्साहित न करें, बल्कि उसे लेखन हेतु प्रोत्साहित करें।
- गतिविधि–पत्रक के साथ शिक्षक अन्य गतिविधियाँ भी करवा सकते हैं।
- शिक्षक समावेशी शिक्षा का समावेश करते हुए गतिविधि करवा सकते हैं।
- कहानी कहना जैसी अन्य शिक्षण पद्धतियों का प्रयोग शिक्षक कर सकते हैं।
- शिक्षक विद्यार्थियों की गतिविधि–पत्रक पूर्ण करने में सहायता प्रदान करें।
- शिक्षक विद्यार्थियों के द्वारा किए गए कार्य का रिकार्ड रखें।

विद्यार्थियों के लिए निर्देश

यह पुस्तक गतिविधियों का पिटारा है।

सभी गतिविधि–पत्रक रोचक एवं ज्ञानवर्धक हैं।

ये गतिविधियाँ आपके परिवेश से जुड़ी हैं। इन्हें करने के लिए अपने वातावरण को ध्यान से देखें समझें व इन्हें स्वयं करने की कोशिश करें।

अगर गतिविधियों को समझने में कोई परेशानी हो तो आप अपने अध्यापक/अध्यापिका की सहायता भी ले सकते हैं।

दी गई गतिविधियों पर अपने माता–पिता व मित्रों के साथ बातचीत कर अपने विचारों, भावनाओं और प्रतिक्रियाओं को व्यक्त करें।

शब्द–निर्माण एवं वाक्य–निर्माण का अभ्यास करें।

शब्दों एवं वाक्यों के उच्चारण का अभ्यास करें।

बोलकर, लिखकर या चित्रों के माध्यम से गतिविधियों पर अपने विचार प्रकट करें।

विभिन्न रोचक तथ्यों से अपनी जानकारी बढ़ाएँ।

प्रस्तावना

कोरोना महामारी की वजह से हुए लॉकडाउन के दौरान दिल्ली के अधिकांश विद्यार्थियों के पठन–पाठन पर बहुत गहरा एवं नकारात्मक प्रभाव पड़ा है। लगभग दो वर्षों से इन छात्रों की कक्षाएँ सामान्य रूप से नहीं चल पा रही हैं। यद्यपि विभाग द्वारा ऑनलाइन शिक्षा का कार्यक्रम लगातार चलाया जा रहा है, किंतु हम सब जानते हैं कि ऑनलाइन शिक्षण कुछ तकनीकी चुनौतियों के कारण वांछित रूप से प्रभावी नहीं हो पाया है। अतएव शिक्षकों, शिक्षाविदों और मनोवैज्ञानिकों द्वारा इस अंतराल को भरने के लिए अलग से प्रयास किए जाने का सुझाव दिया गया है। उन सुझावों के क्रियान्वयन की दिशा में SCERT द्वारा यह गतिविधि–पत्रक पुस्तिका तैयार की जा रही है।

इस लक्ष्य को लेकर SCERT द्वारा अधिगम संवर्द्धन कार्यक्रम के अतंर्गत गतिविधि–पत्रक पुस्तिका निर्माण के लिए यह तय किया गया कि विद्यार्थियों की दिनचर्या से जुड़े हुए शब्दों, क्रियाकलापों से संदर्भित घटनाओं से जुड़ी पाठ्यवस्तु को लेकर इन पत्रकों के अभ्यास निर्मित किए जाए। साथ ही विभागीय निर्देशानुसार ये कार्यपत्रक विद्यार्थियों के दैनिक जीवन, दिनचर्या, सामाजिक–सांस्कृतिक संदर्भ और स्थानीय परिवेश पर आधारित हैं। ये सभी गतिविधि–पत्रक राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में दिए गए मार्गदर्शक सिद्धांतों के आधार पर बनाए गए हैं। इन गतिविधि–पत्रकों को हल करने के बाद विद्यार्थियों में उन क्षमताओं का विकास हो सकेगा जिससे वे अपने पाठ्यक्रम में निर्धारित पुस्तक में दिए गए पाठों को सहजता से समझ सकेंगे। अपेक्षा है कि इन गतिविधि–पत्रकों में दिए गए अभ्यास करने के बाद निश्चित रूप से विद्यार्थियों के भाषा संबंधी ज्ञान में संवर्द्धन होगा।

पुस्तक विकास समिति

दिशाबोध

श्री एच राजेश प्रसाद, प्रधान सचिव (शिक्षा) दिल्ली

श्री रजनीश सिंह
निदेशक, एस.सी.ई.आर.टी, दिल्ली

डॉ. नाहर सिंह
संयुक्त निदेशक अकादमिक, एस.सी.ई.आर.टी, दिल्ली

विषय समन्वयक

डॉ. रेखा रानी कपूर
असिस्टेंट प्रोफेसर, एस.सी.ई.आर.टी, दिल्ली

विशेषज्ञ व पुनरीक्षण मंडल

डॉ. नीलकंठ
असिस्टेंट प्रोफेसर, एन.सी.ई. आर.टी, दिल्ली

श्री. संजय अहिरवार
असिस्टेंट प्रोफेसर, एस.सी.ई. आर.टी, दिल्ली

श्री बी.एस.रावत
फील्ड वर्कर, केंद्रीय शिक्षा विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली

लेखक सदस्य

डॉ. रेखा रानी कपूर	असिस्टेंट प्रोफेसर, एस. सी. ई. आर. टी, दिल्ली
डॉ. आलोक तिवारी	असिस्टेंट प्रोफेसर, डाईट केशव पुरम, दिल्ली
श्री रणजीत सिंह	प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (हिंदी), राजकीय प्रतिभा विकास विद्यालय, सिविल लाइन्स, दिल्ली
श्री संजीव कुमार मिश्रा	प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (हिंदी), राजकीय प्रतिभा विकास विद्यालय, बी. टी. ब्लॉक शालीमार बाग, नई दिल्ली
श्रीमती अंजलि	असिस्टेंट टीचर, सर्वोदय विद्यालय सेक्टर–6 रोहिणी, नई दिल्ली
श्रीमती सीमा राठी	प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (हिंदी), सर्वोदय सह शिक्षा विद्यालय, सेक्टर 13, रोहिणी, नई दिल्ली
श्री उदय भान	प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (हिंदी), सर्वोदय विद्यालय शंकराचार्य मार्ग, सिविल लाइन्स, नई दिल्ली

योगदानकर्ता

इशरा वसी	रिसोर्स पर्सन, एस. सी. ई. आर. टी, दिल्ली
कृतिका सिंह	रिसोर्स पर्सन, एस. सी. ई. आर. टी, दिल्ली

चित्रांकन

श्री पंकज तिवारी	प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (कला) रा. स. शि. उ. मा. विद्यालय, भाटी मांइस, दिल्ली
श्री राहुल	प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (कला), सलवान पब्लिक स्कूल, ट्रॉनिका सिटी

नोडल अधिकारी

डॉ. गौरव शर्मा
असिस्टेंट प्रोफेसर, एस.सी.ई. आर.टी, दिल्ली

डॉ. सोनू लाल गुप्ता
असिस्टेंट प्रोफेसर, एस.सी.ई.आर.टी, दिल्ली

प्रकाशन अधिकारी	:	डॉ. मुकेश यादव, एस.सी.ई.आर.टी, दिल्ली
प्रकाशन दल	:	श्री नवीन कुमार, श्रीमती राधा, एस.सी.ई. आर.टी, दिल्ली नेहा रिज़वाना, फौज़िया (रिसोर्स पर्सन) एस.सी.ई. आर.टी, दिल्ली

अनुक्रमणिका

गतिविधि 1.	मेरे माता–पिता	01
गतिविधि 2.	जन्मदिन	02
गतिविधि 3.	महीनों के नाम	04
गतिविधि 4.	आइए पृष्ठ सजाएँ	06
गतिविधि 5.	मात्राएँ	07
गतिविधि 6.	मात्रा वाले शब्द	10
गतिविधि 7.	वचन बदलो	12
गतिविधि 8.	नाम वाले शब्द	14
गतिविधि 9.	चिड़ियाँ	16
गतिविधि 10.	पहेलियाँ	17
गतिविधि 11.	लिंग	21
गतिविधि 12.	लिंग/वचन अभ्यास	23
गतिविधि 13.	क्रिया	24
गतिविधि 14.	क्रिया अभ्यास	26
गतिविधि 15.	प्रकृति से वादा	28
गतिविधि 16.	वर्तमान काल	29
गतिविधि 17.	वर्ग पहेली	31
गतिविधि 18.	पहेलियाँ	32
गतिविधि 19.	पक्षियों की आवाज़	33
गतिविधि 20.	पशु–पक्षी	35
गतिविधि 21.	श्रुतिसम भिन्नार्थक	37
गतिविधि 22.	विलोम शब्द	38
गतिविधि 23.	भाव	40
गतिविधि 24.	वृक्ष	41
गतिविधि 25.	समानार्थी शब्द	43
गतिविधि 26.	वाक्य निर्माण	44

अनुक्रमणिका

गतिविधि 27.	चित्र वर्णन एवं कविता	46
गतिविधि 28.	नन्हीं बूँद	49
गतिविधि 29.	मेला	50
गतिविधि 30.	पर्यावरण दिवस	52
गतिविधि 31.	समय	53
गतिविधि 32.	अनेक शब्दों के लिए एक शब्द	55
गतिविधि 33.	इन्द्रधनुष	57
गतिविधि 34.	ओलंपिक खेल	60
गतिविधि 35.	कोरोना अख़बार	61
गतिविधि 36.	कोरोना	62
गतिविधि 37.	त्योहार	63
गतिविधि 38.	मेरा गाँव	65
गतिविधि 39.	मुहावरे	67
गतिविधि 40.	विराम चिह्न	69
गतिविधि 41.	राजप्पा का एलबम	71
गतिविधि 42.	स्वच्छता अभियान	73
गतिविधि 43.	जल का महत्व	74
गतिविधि 44.	लोकगीत	75
गतिविधि 45.	भाषा	77
गतिविधि 46.	भोलू भालू का लालच	79
गतिविधि 47.	पत्र लेखन	80
गतिविधि 48.	औषधीय पेड़–पौधे	82
गतिविधि 49.	संदेशः सोनू की चिट्ठी	83
गतिविधि 50.	चित्र–वर्णन	85
गतिविधि 51.	मनपसंद खेल	86
गतिविधि 52.	कतरीवेल स्वामी की कहानी	87
गतिविधि 53.	नीलू कबूतर	88

मेरे माता–पिता 1

1. अपने माता–पिता का चित्र बनाकर उसमें रंग भरिए व खाली स्थान पर लिखकर बताइए कि वे आपके लिए क्या–क्या करते हैं ?

लोरी सुनाकर सुलाना

_____
_____

_____
_____

_____
_____

_____
_____

_____
_____

2. मेरी माताजी का नाम श्रीमती ..... है।
3. मेरे पिताजी का नाम श्री ..... है।
4. मैं अपनी माताजी को ..... कहकर पुकारता/पुकारती हूँ।
5. मैं अपने पिताजी को ..... कहकर पुकारता/पुकारती हूँ।

अधिगम प्रतिफल–

देखी सुनी रचनाओं, घटनाओं व मुद्दों पर बातचीत को अपने ढंग से आगे बढ़ाते हैं, जैसे किसी कहानी को आगे बढ़ाना।

जन्मदिन 2

1. ऊपर दिए गए चित्र को ध्यान से देखिए और लिखकर बताइए इस चित्र में क्या हो रहा है ?

.....

.....

.....

2. आपका जन्मदिन कब आता है ? अपने जन्म की तारीख, दिन, माह और साल भी लिखिए।

तारीख	दिन	माह	साल

3. आप अपना जन्मदिन कैसे मनाते हैं ? उसके बारे में दस वाक्य लिखिए।

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

4. अपने किसी रिश्तेदार को अपने जन्मदिन पर आमंत्रित करने हेतु फोन पर हुई बातचीत को लिखिए।

अधिगम प्रतिफल–

- अपने से भिन्न भाषा, खान–पान, रहन–सहन संबंधी विशेषताओं पर बातचीत करते हैं।
- देखी, सुनी (अनुभव की) गई बातों, जैसे– स्थानीय सामाजिक घटनाओं, कार्यक्रमों और गतिविधियों पर बेझिझक बात करते हैं, प्रश्न करते हैं और बातचीत को आगे बढ़ाते हैं।

महीनों के नाम 3

एक वर्ष में बारह महीने होते हैं। प्रत्येक महीने में कितने दिन होते हैं ? यह मालूम करने के लिए निम्नलिखित गतिविधि कर सकते हैं।

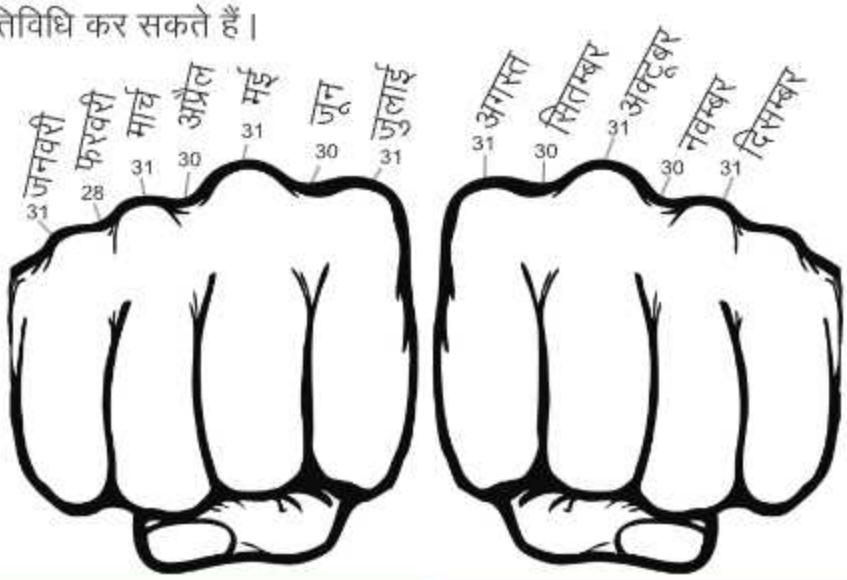

महीनों के नाम	दिनों की संख्या
जनवरी	31
फरवरी	28 / 29
मार्च	31
अप्रैल	30
मई	31
जून	30
जुलाई	31
अगस्त	31
सितम्बर	30
अक्टूबर	31
नवम्बर	30
दिसम्बर	31

सप्ताह के दिनों के नाम इस प्रकार हैं।

प्यारे बच्चों! सोचिए और बताइए
आज हम एक ऐसी गतिविधि करेंगे, जिसके माध्यम से आप महीनों और दिनों के नाम की जानकारी प्राप्त करेंगे।

1. सप्ताह में कितने दिन होते हैं?

   .....

2. वर्ष में कितने महीने होते हैं?

   .....

3. वर्ष का प्रथम महीना कौन–सा है?

   .....

4. रविवार के बाद कौन–सा दिन आता है?

   .....

5. शुक्रवार से पहले कौन–सा दिन आता है?

   .....

6. सप्ताह में आपका मनपसंद दिन कौन–सा है?

   .....

अधिगम प्रतिफल–

- किसी पाठ्यवस्तु की बारीकी से जाँच करते हुए उसमें किसी विशेष बिंदु को खोजते हैं और निष्कर्ष निकालते हैं।

आइए पृष्ठ सजाएँ

4

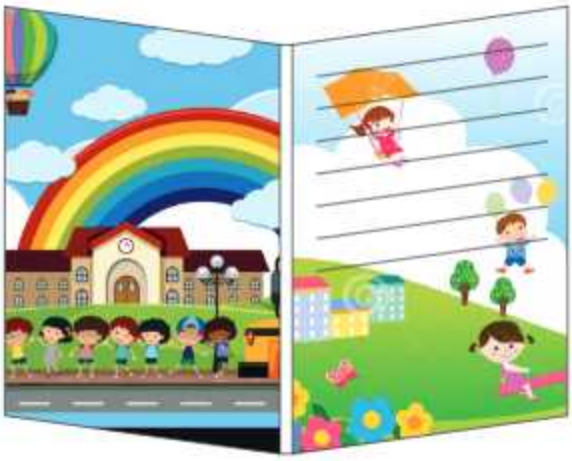

एक पुस्तिका हूँ मैं निराली।
पर कुछ पृष्ठ हैं अब भी खाली।

जल्दी से कुछ रंग ले आओ।
मेरे पृष्ठों को सजाओ।

अच्छा हो सबका व्यवहार।
चलो लिखो कुछ ऐसे विचार।

कुछ रंगो को भी फैलाओ।
नीला आसमान और लाल फूल बनाओ ।

1. प्यारे बच्चों! पुस्तिका के इन खाली पृष्ठों को अपने विचारों से सजाइए।

विचार	पसंदीदा फूल का चित्र	कुछ मित्रों के नाम

तितली का चित्र	बड़े होकर क्या बनना चाहेंगे?	आप अपनी पुस्तिका का नाम क्या रखना चाहेंगे?

अधिगम प्रतिफल–

- पाठ्यक्रम सामग्री की विषय वस्तु को समझकर पढ़ते हैं और उस पर लिखित भाषा में अपनी राय देते हैं।
- दूसरों द्वारा अभिव्यक्त अनुभवों को जरूरत के अनुसार जैसे–सार्वजनिक स्थानों पर सुनी बातों को लिखते हैं।

मात्राएँ 5

1. शब्द निर्माण करें

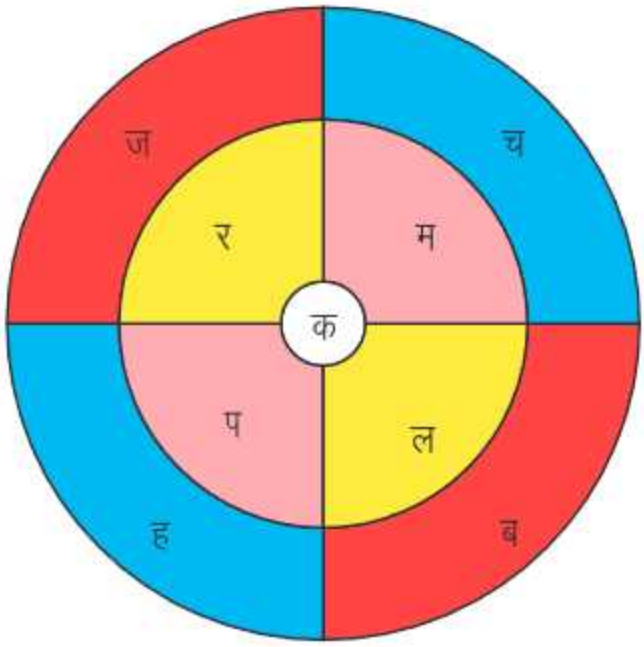

(i) क + ल = कल
(ii) ह + म = हम
(iii) – + – = –
(iv) – + – = –
(v) – + – = –
(vi) – + – = –
(vii) – + – = –
(viii) – + – = –
(ix) – + – = –
(x) – + – = –

2. नीचे लिखे अक्षरों की सहायता से शब्द निर्माण कीजिए।

दा	जा	ल	खा	बा	पु
कि	का	ला	म	ट	हा

उदाहरण

(I) का + ल = काल

(ii) दा + ☐ = दाम

(iii) कि + ☐ = किला

(iv) + ल = ☐

(v) पु + ल =

(vi) खा + ☐ =

(vii) ☐ + ला =

(viii) बा + ☐ = बाला

(ix) ☐ + ल = जाल

(x) ☐ + ☐ = हाट

3. सही मात्रा लगाकर नीचे दिए गए चित्रों के नाम पूरे कीजिए। चित्रों के नाम को पूरा करने के लिए इन्हीं मात्राओं का प्रयोग कीजिए–

मात्राओं का ज्ञान

आ = ा
ओ = ो
इ = ि
उ = ु
ए = े

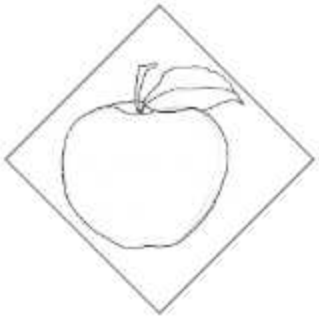

सब

ग जर

जाकर

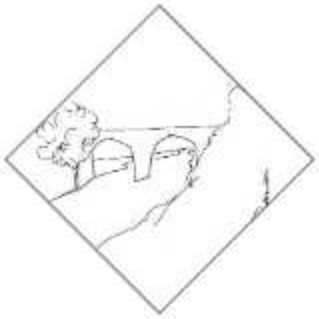

पल

कित ब

4. नीचे लिखे शब्दों को मात्रा के अनुसार अलग करके लिखिए–

पुल	खाट	बाज	गीत
शीश	रेल	जीत	पार
सही	दया	खेल	सुन
सबसे	गुड़	बुलबुल	मेल

आ ' ा ' की मात्रा वाले शब्द खाट , ___ , ___ , ___

ई ' ी ' की मात्रा वाले शब्द जीत , ___ , ___ , ___

उ ' ु ' की मात्रा वाले शब्द बुलबुल , ___ , ___ , ___

ए ' े ' की मात्रा वाले शब्द मेल , ___ , ___ , ___

5. अपने स्कूल बैग में मौजूद पाँच वस्तुओं के नाम लिखिए।

_____

_____

_____

_____

_____

अधिगम प्रतिफल–

- भाषा की बारीकियों / व्यवस्था / ढंग पर ध्यान देते हुए उसकी सराहना करते हैं।

मात्रा वाले शब्द 6

1. नीचे दिए गए शब्दों में से 'अ' की मात्रा वाले शब्द चुनकर लिखिए।

अनार, कलम, अचार, अखरोट, गाजर, रोटी, दाना, चीनी, आँवला, इमली, मखाना

_____	_____
_____	_____
_____	_____
_____	_____
_____	_____

2. खाली स्थान मे 'इ' या 'ई' की उचित मात्रा वाले अक्षर चुनकर शब्द बनाइए।

(i) ___ तार (सी / सि)

(ii) ___ सान (कि / की)

(iii) मला___ (ई / इ)

(iv) रा ___ (खी / खि)

(v) ___ दाई (वि / वी)

3. उ या ऊ की उचित मात्रा वाले शब्द का चयन करके वाक्य बनाइए।

(I) हवा के साथ.....उड़ रही है। (धूल / धुल)

(ii) मेरे पास.....सौ रूपये हैं। (कुल / कूल)

(iii) 2 नदी पर ..... बनाया जा रहा है। (पुल / पूल)

(iv) 2 डाली.....रही है। (झुक / झूक)

4. नीचे दिए गए शब्दों में से 'ए' और 'ऐ' की मात्रा वाले शब्द चुनकर लिखिए।
पैर, महेश, सदैव, अनेक, मेहमान, मैना, फेरी, मैदान

'ए' की मात्रा वाले शब्द	'ऐ' की मात्रा वाले शब्द

5. नीचे दिए गए पेड़ के तने में कुछ शब्द दिए गए हैं। उनमें से 'ओ' और 'औ' की मात्रा वाले शब्द अलग करके तने से जुड़ी पत्तियों में भरिए।

अधिगम प्रतिफल–

विभिन्न संदर्भों में विभिन्न उद्देश्यों के लिए लिखते समय उपयुक्त विराम चिह्नों, शब्दों, वाक्य संरचनाओं, मुहावरों आदि का उचित प्रयोग करते हैं।

वचन बदलो

7

पढ़िए, समझिए और खाली स्थान भरिए।

1. पुस्तक 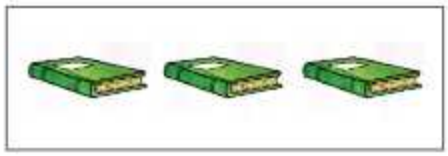 पुस्तकें

2. पतंग _____

3. गेंद _____

4. पेंसिल _____

5. बस्ता _____

6. कंचा _____

7. पंखा _____

8. तारा _____

9. 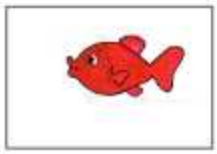 मछली 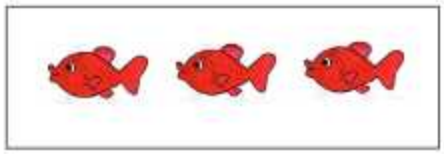 _____

10. पत्ता _____

अधिगम प्रतिफल–

- विभिन्न संदर्भों में विभिन्न उद्देश्यों के लिए लिखते समय शब्दों, वाक्य संरचनाओं, मुहावरों आदि का उचित प्रयोग करते हैं।

नाम वाले शब्द 8

1. चित्र को ध्यान से देखकर खाली स्थान भरिए–

(i) ..... फलों का राजा है।

(ii) ..... चहचहाती है।

(iii) ..... बहुत सुन्दर है।

(iv) ..... तेज़ भागता है।

(v) ..... जल में रहती है।

2. बॉक्स में दिए गए शब्दों में से उचित शब्द (संज्ञा) चुनकर खाली स्थान भरिए–

मंगलवार	दिल्ली	आम	कबूतर	दिसंबर

(I) स्थान .....

(ii) महीना .....

(iii) दिन .....

(iv) पक्षी .....

(v) फल .....

3. नीचे लिखे वाक्यों में से नाम वाले शब्दों को छाँटिए और लिखिए–

मैं दिल्ली में रहता हूँ।
सुरेश पढ़ रहा है।

उमा पतंग उड़ा रही है।
गाय घास चर रही है।

रामायण पवित्र ग्रन्थ है।
मोहम्मद शमी क्रिकेट खेलता है।

मुझे चावल पसंद हैं।
मेरे परिवार में सात सदस्य हैं।

यह मेरी किताब है।
स्कूल में बच्चे पढ़ते हैं।

संज्ञा :– किसी भी व्यक्ति, वस्तु, स्थान, गुण, जाति या भाव आदि के नाम को संज्ञा कहते हैं।

अधिगम प्रतिफल–

- विभिन्न संदर्भों में विभिन्न उद्देश्यों के लिए लिखते समय उपयुक्त विराम चिह्नों, शब्दों, वाक्य संरचनाओं, मुहावरों आदि का उचित प्रयोग करते हैं।
- किसी पाठ्यवस्तु की बारीकी से जाँच करते हुए उसमें किसी विशेष बिंदु को खोजते हैं और निष्कर्ष निकालते हैं।

चिड़ियाँ 9

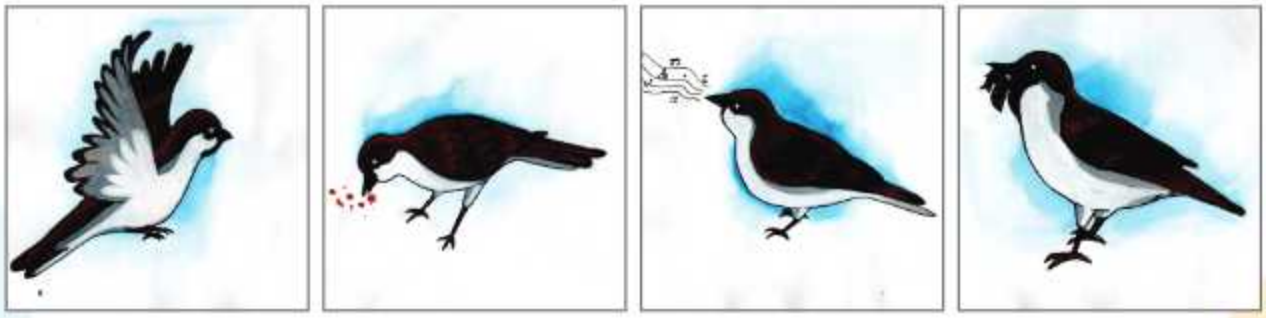

1. ऊपर दिए गए चित्रों को ध्यान से देखिए। क्या आपने इस प्रकार की चिड़ियाँ देखी हैं?

.....

.....

2. ऊपर दिए गए चित्रों में क्या आपको कोई अन्तर दिखाई देता है?

.....

.....

3. क्या इन्हें देखकर आपको कोई कहानी या कविता सूझती है ? अपने दोस्तों के साथ मिलकर एक कविता/कहानी बनाइए।

.....

.....

.....

.....

.....

.....

कई कवियों और कहानीकारों ने बिल्कुल आपकी तरह ही अपने वातावरण में मौजूद पक्षियों के विषय में कविताएँ लिखी हैं। आपकी पाठ्यपुस्तक वसंत में संकलित कविता 'वह चिड़िया जो' के पाठ का लिंक https://youtu.be/T93aUA1jHkl दिया जा रहा है, जो NCERT Official पर उपलब्ध है।

अधिगम प्रतिफल–

- सुनी और देखी गई घटनाओं के आधार पर पाठ्यक्रम की विषयवस्तु को अपने ढंग से आगे बढ़ाते हैं।

पहेलियाँ 10

1. नीचे कुछ पहेलियाँ दी गई हैं। आइए इन्हें बूझें। पहेली में जिस पक्षी की बात की गई है, सामने दी गई जगह में उस पक्षी का चित्र भी बनाइए–

हँसकर मिर्ची खाता हूँ, मिट्ठू – मिट्ठू करता हूँ। हरे रंग का होता हूँ, बच्चों, मैं एक ..... हूँ।	
	मीठी मेरी बोली है, सूरत मेरी भोली है। मीठी कूक सुनाती हूँ, ... मैं कहलाती हूँ।
रंग–बिरंगे पंखों वाला पक्षी हूँ मैं बहुत निराला । नाचूँ देख घटा घनघोर, हाँ हाँ बच्चों, मैं हूँ ..... ।	
	काँव–काँव कर शोर मचाता, मेरा सुर ना किसी को भाता। काला रंग मेरी शान बढ़ाता, बच्चों, मैं .....कहलाता।

	रोज़ सुबह जल्दी उठ जाऊँ, उठते ही मैं बाँग लगाऊँ। लाल कलगी पहन इतराऊँ, बच्चों, मैं ..... कहलाऊँ।

2. बच्चों! आपने भी अपने आस–पास बहुत से वस्तु देखे होंगे। आइए, आप भी इनमें से कुछ वस्तुओं पर पहेलियाँ बनाइए और अपने मित्रों को इन्हें बूझने व चित्र बनाने के लिए कहिए।

(i)	_____ _____ _____ _____	
(ii)		_____ _____ _____ _____

3. चिड़िया तिनका–तिनका इकट्ठा करके घोंसला बनाती है। आइए, आज हम भी कुछ तिनके कागज़/अखबार के टुकड़े, रूई, ऊन इत्यादि इकट्ठा करें और उनकी सहायता से एक नन्हा घोंसला बनाएँ।

4. अब घोंसला बना ही लिया है तो क्यों न कुछ पक्षी बनाकर इसमें रख दिए जाएँ और इसे घर में सजा लिया जाए। नीचे दिए तरीकों से या स्वयं सोचकर भी आप पक्षी बना सकते हैं।

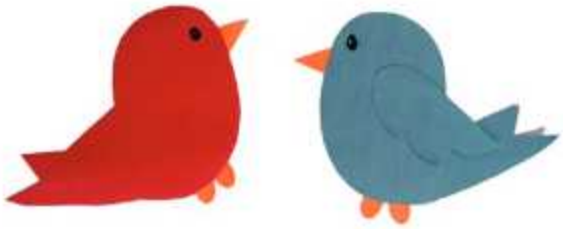

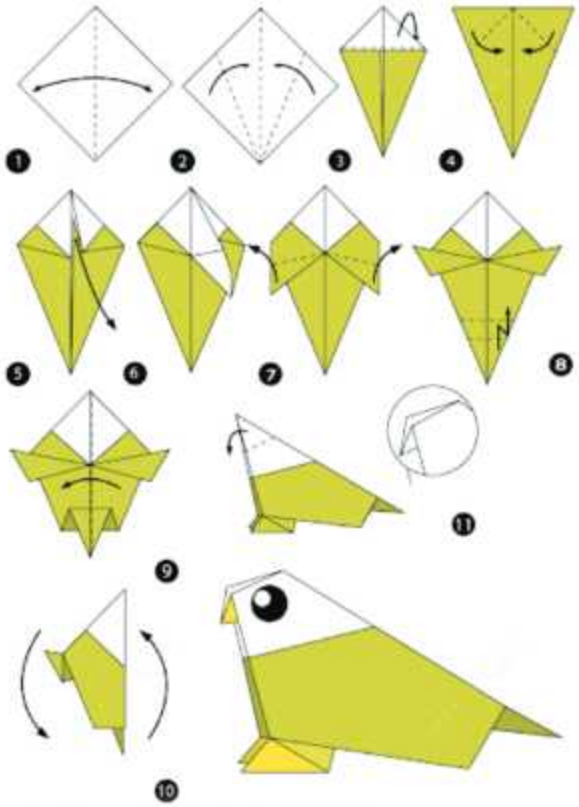

अधिगम प्रतिफल–

- भाषा की बारीकियों/व्यवस्था/ढंग पर ध्यान देते हुए उसकी सराहना करते हैं, जैसे– कविता में लय–तुक, वर्ण–आवृत्ति (छंद) तथा कहानी, निबंध में मुहावरे, लोकोक्ति आदि।
- विविध कलाओं जैसे– हस्तकला, वास्तुकला, खेती–बाड़ी, नृत्यकला आदि से जुड़ी सामग्री में प्रयुक्त भाषा के प्रति जिज्ञासा व्यक्त करते हुए उसकी सराहना करते हैं।

लिंग 11

1. नीचे दिए गए शब्दों में से पुल्लिंग व स्त्रीलिंग शब्दों को पढ़िए।

लड़की

नारी

गायिका

लड़का

छात्र

लेखिका

नर

अध्यापक

अध्यापिका

लेखक

राजा

छात्रा

रानी

मोर

मोरनी

2. अब इन शब्दों को दी गई उपयुक्त आकृति में लिखिए।

पुल्लिंग शब्द

स्त्रीलिंग शब्द

अधिगम प्रतिफल–

- किसी पाठ्यवस्तु की बारीकी से जाँच करते समय उसमें किसी विशेष बिंदु को खोजते हैं और निष्कर्ष निकालते हैं।

लिंग/वचन अभ्यास 12

1. नीचे एक मटके में स्त्रीलिंग और पुल्लिंग शब्दों को मिला दिया गया है। आप इन्हें निकालकर अलग–अलग रखिए।

2. नीचे लिखे शब्दों को बहुवचन में बदलिए जैसे–

लड़की

लड़कियाँ

एकवचन	बहुवचन
पुस्तक	
लड़का	
रसीला	
बकरा	
बस	
बोतल	

अधिगम प्रतिफल–

- किसी पाठ्यवस्तु की बारीकी से जाँच करते हुए उसमें किसी विशेष बिंदु को खोजते हैं और निष्कर्ष निकालते हैं।

क्रिया 13

1. चित्र देखकर क्रिया पहचानिए और सही वाक्य के सामने (✓) सही का चिह्न लगाइए।

चिड़िया खाना खा रही है। ( )

चिड़िया उड़ रही है। ( )

नाविक नाव चला रहा है। ( )

नाविक कपड़े धो रहा है। ( )

बालक दौड़ रहा है। ( )

बालक पतंग उड़ा रहा है। ( )

दर्जी कपड़े काट रहा है। ( )

दर्जी कपड़े सिल रहा है। ( )

तितली उड़ रही है। ( )

तितली फूल पर बैठी है। ( )

पीटर पौधों में पानी डाल रहा है। ( )

पीटर पौधों को तोड़ रहा है। ( )

अमीना खाना खा रही है। ( )

अमीना खाना बना रही है। ( )

आदमी कपड़े धो रहा है। ( )

आदमी कपड़े सुखा रहा है। ( )

रानी पेड़ पर चढ़ रही है। ( )

रानी झूला झूल रही है। ( )

बच्चे गेंद से खेल रहे हैं। ( )

बच्चे पढ़ रहे हैं। ( )

अधिगम प्रतिफल–

- किसी पाठ्यवस्तु की बारीकी से जाँच करते हुए उसमें किसी विशेष बिंदु को खोजते हैं, अनुमान लगाते हैं और निष्कर्ष निकालते हैं।
- विभिन्न संदर्भों में विभिन्न उद्देश्यों के लिए लिखते समय शब्दों, वाक्य संरचनाओं, मुहावरों आदि का उचित प्रयोग करते हैं।

क्रिया अभ्यास 14

1. नीचे दो चित्र दिए हुए हैं। उन्हें ध्यान से देखिए और बताइए कि बच्चे क्या कर रहे हैं?

_____ _____

जिन शब्दों से किसी काम के करने या होने का पता चलता है, उन्हें क्रिया कहते हैं। जैसे– 'गुंजन दौड़ रही है'। यहाँ दौड़ना एक क्रिया है।

2. नीचे लिखी क्रियाएँ भी पढ़िए और इन सभी क्रियाओं का अतंर समझने के लिए इनसे वाक्य बनाएँ।

क्रिया	वाक्य
चमकना	
गिरना	
खाना	
रोना	
पढ़ना	

3. आपके घर में भी बहुत से काम होते होंगे। उन कार्यों की सूची तैयार कीजिए और बताइए कि इन कार्यों को कौन–कौन करता है ?

काम	कौन करता है?
कपड़े धोना	
खाना बनाना	
बिस्तर रखना	
सफ़ाई करना	
बाज़ार से सामान लाना	

4. आपने बहुत से काम करने वालों को देखा होगा। ऐसे कौन–कौन से काम करने वालों को देखा है जो एक साथ समूह में मिलकर काम करते हैं।

.....

.....

.....

.....

.....

5. आपकी पाठ्यपुस्तक 'वसंत' में मिलकर कार्य करने का संदेश देने वाली एक कविता है जिसका शीर्षक है, **'साथी हाथ बढ़ाना'**। उस कविता को शिक्षक/शिक्षिका की सहायता से लय में गाने की कोशिश कीजिए और कंठस्थ पंक्तियों को लिखिए।

.....

.....

.....

.....

.....

.....

अधिगम प्रतिफल–

- किसी पाठ्यवस्तु की बारीकी से जाँच करते हुए उसमें किसी विशेष बिंदु को खोजते हैं, अनुमान लगाते हैं और निष्कर्ष निकालते हैं।
- विभिन्न अवसरों/संदर्भों में कही जा रही दूसरों की बातों को अपने ढंग से बताते हैं और लिखते हैं।

प्रकृति से वादा 15

1. नीचे लिखे शब्दों की सहायता से रिक्त स्थान भरिए।

पानी	पेड़	प्लास्टिक	कूड़ेदान	हवा	परेशान

हवा	भाव	वादों	उपयोग	पैदल	पेड़ों

मेरी प्यारी प्रकृति मैं वादा करती हूँ/करता हूँ कि–

(I) मैं.....की बूँद–बूँद बचाऊँगीं/बचाऊँगा।

(ii) मैं.....को न खुद काटूँगा/काटूँगी और न किसी को काटने दूँगा/दूँगी।

(iii) मैं..... को दूषित नहीं करूँगा व.....को स्वच्छ रखने के लिए ज़्यादा से ज़्यादा.....लगाऊँगी/लगाऊँगा।

(iv) मैं ज़्यादा से ज़्यादा.....ही यात्रा करूँगा/करूँगी।

(v) मैं.....से बने सामानों व बैग का उपयोग नहीं करूँगा/करूँगी।

(vi) मैं कूड़े को हमेशा ..... में ही डालूँगा/डालूँगी।

(vii) मैं पशु–पक्षियों को.....नहीं करूँगा/करूँगी, यातायात के साधनों का कम से कम .....करूँगा/करूँगी।

(viii) मैं सदैव प्रकृति के प्रति मित्रता का .....रखूँगी/रखूँगा।

(ix) मैं अपने सभी.....को निभाऊँगा/निभाऊँगी।

अधिगम प्रतिफल–

- सुनी और देखी गई घटनाओं के आधार पर पाठ्यक्रम की विषयवस्तु को अपने ढंग से आगे बढ़ाते हैं।
- किसी पाठ्यवस्तु की बारीकी से जाँच करते हुए उसमें विशेष बिंदु को खोजते हैं और निष्कर्ष निकालते हैं।

वर्तमान काल 16

1. नीचे दिए गए उदाहरण की सहायता से रिक्त स्थान भरिए।

उदाहरण सोहन खेल रहा है।

शाज़िया पढ़ .....। (रहा है/रही है।)

पूजा सेब खा .....। (रहा है/रही है।)

अमन क्रिकेट खेल .....। (रहा है/रही है।)

जया सो .....। (रहा है/रही है।)

डेविड दौड़ .....। (रहा है/रही है।)

2. नीचे दिए गए वाक्यों में जो शब्द यह बोध करा रहे हैं कि यह वर्तमानकाल के वाक्य हैं उन्हें रेखांकित कीजिए।

1. वह खत लिख रहा है।

2. शीला बाज़ार जा रही है।

3. रज़िया गा रही है।

3. बॉक्स में दिए गए शब्दों से खाली स्थान भरिए।

खेल रही है। रहा है।

राधा टेनिस .....
अमन पढ़ .....

अधिगम प्रतिफल–

- भाषा की बारीकियों / व्यवस्था / ढंग पर ध्यान देते हुए उसकी सराहना करते हैं।
- विभिन्न संदर्भों में विभिन्न उद्देश्यों के लिए लिखते समय उपयुक्त विराम चिह्नों, शब्दों, वाक्य संरचनाओं, मुहावरों आदि का उचित प्रयोग करते हैं।

वर्ग पहेली 17

1. नीचे कुछ शब्द लिखे हुए हैं। इनका विलोम (विपरीत) अर्थ बताने वाले शब्द वर्ग पहेली में से खोजकर उनके सामने लिखिए।

क	ठि	न	ह	क	न
पु	रा	ना	न	ठो	नि
ला	ह	उ	ध	र	रा
भ	श	ल	म	स	शा
प	रा	या	च	फे	द
क	त	म	न	द	न

शब्द	विलोम शब्द
कोमल	कठोर
हानि	___
आशा	___
सरल	___
इधर	उधर
काला	___
नया	___
अपना	___
दिन	___

अधिगम प्रतिफल–

- भाषा की बारीकियों / व्यवस्था / ढंग पर ध्यान देते हुए उसकी सराहना करते हैं।

पहेलियाँ 18

प्यारे बच्चों! कुछ खेल खेलें? आओ मैं कुछ पंक्तियाँ गाऊँ, आप उनके नाम सुझाओ, और रंग बिरंगे चित्र बनाओ।

1. रंग–बिरंगे पंखोंवाली।
उड़ती जाती हूँ मतवाली।
बताओ तो मेरा नाम?
मैं हूँ बागों की शान।

2. उड़ती जाती दूर गगन
थामे डोरी का हाथ।
पर जो डोरी कट गई
तो छूटा अपना साथ।

3. गोल–गोल हूँ रसभरी
जो देखे ललचाए।
खाने को मुझको दौड़े
मुँह में उसके पानी
आए।

4. टिप–टिप का गाना गाऊँ।
सबके मन को हर्षाऊँ।
पेड़–पौधे सब खुश हो
जाएँ,
जब भी उनसे मिलने
आऊँ।

5. डाँटती फटकारती हैं,
गुस्से में वो दूर भगाएँ।
पर जब भी मैं उदास हो
जाऊँ,
झटपट वे मुझे गले लगाएँ।

6. मुँह पर पहने मास्क, हाथों
को बार–बार धोते जाएँ।
कौन सी है वह बीमारी
जिसके नाम से सब
घबराएँ।

7. दूर देश की खबर मैं लाता।
घर–घर तक पहुँचाया
जाता।
कुछ पृष्ठों में मेरा नाम,
बूझो क्या है मेरा नाम?

8. आसमान में छाता हूँ।
रंगो से घिर जाता हूँ।
न कोई तीर का काम,
न कोई सँभाले मेरी कमान।

अधिगम प्रतिफल–

- भाषा की बारीकियों/व्यवस्था/ढंग पर ध्यान देते हुए उसकी सराहना करते हैं, जैसे कविता में लय–तुक, वर्ण–आवृत्ति तथा कहानी, निबंध में मुहावरे, लोकोक्ति आदि।
- हिन्दी भाषा में विविध रचनाओं को पढ़ते हैं।

पक्षियों की आवाज़ 19

जी होता चिड़िया बन जाऊँ।
मैं नभ में उड़कर सुख पाऊँ।

मैं फुदक–फुदक कर डाली पर।
डोलूँ तरू की हरियाली पर।

फिर कुतर–कुतर कर फल खाऊँ।
जी होता चिड़िया बन जाऊँ।

कवि– सोहनलाल द्विवेदी

1. कवि चिड़िया क्यों बनना चाहता है ? आप कौन–सा पक्षी बनना चाहेंगे ? अपने साथियों से बातचीत करके उन्हें बताइए।
2. अपनी पुरानी पुस्तकों या पत्र–पत्रिकाओं में से पक्षियों के चित्र काटिए और एक एलबम तैयार कीजिए।
3. दी गई वर्ग पहेली में से पक्षियों के नाम ऊपर से नीचे तथा बाएँ से दाएँ लिखे गए हैं। उन्हें ढूँढ़कर गोला बनाइए।

मै	क	प	तो	ता
ना	बू	ह	च	ब
अ	त	गौ	रै	या
मो	र	म	ल	ची
स	बु	ल	बु	ल

4. नीचे दिए गए पक्षियों के चित्रों को ध्यान से देखिए। आपने इनकी आवाज़ अवश्य सुनी होगी। नीचे दिए गए पक्षियों की आवाज़ें निकालिए और लिखिए –

अधिगम प्रतिफल–

- भाषा की बारीकियों/व्यवस्था/ढंग पर ध्यान देते हुए उसकी सराहना करते हैं, जैसे कविता में लय–तुक, वर्ण–आवृत्ति (छंद) तथा कहानी, निबंध में मुहावरे, लोकोक्ति आदि।
- विभिन्न प्रकार की ध्वनियों जैसे– बारिश, हवा, रेल, बस आदि को सुनने और किसी वस्तु के स्वाद आदि के अनुभव को अपनी भाषा में प्रस्तुत करते हैं।

पशु–पक्षी 20

1. आपने बहुत से पक्षियों के अंडे देखे होंगे, किन्हीं तीन पक्षियों के चित्र बनाइए और उनके नाम भी लिखिए–

.....

.....

.....

2. नीचे लिखे शब्दों में से पक्षियों और जानवरों को अलग–अलग सारणी में लिखिए।

कौआ, साँप, शेर, कबूतर, गिलहरी, मोर, मगरमच्छ, चींटी, कोयल, बंदर, तोता, मैना

पक्षी	जानवर

3. नीचे दिए गए चित्रों को देखते हुए एक कहानी बनाइए।

4. आप कभी–न–कभी चिड़ियाघर अवश्य गए होंगे। जंगल में रहने वाले पशु–पक्षियों को देखकर चिड़ियाघर में रहने वाले पशु–पक्षियों को कैसा लगता होगा ? लिखिए–

अधिगम प्रतिफल–

- देखी, सुनी (अनुभव की) गई बातों जैसे–स्थानीय सामाजिक घटनाओं कार्यक्रमों और गतिविधियों पर बेझिझक बात करते हैं, प्रश्न करते हैं और बातचीत को अपने ढ़ेग से आगे बढ़ाते हैं।

श्रुतिसम भिन्नार्थक 21

पढ़ो, सुनो और बार–बार बोलो।
कुछ ऐसे ही खेल–खेल में।

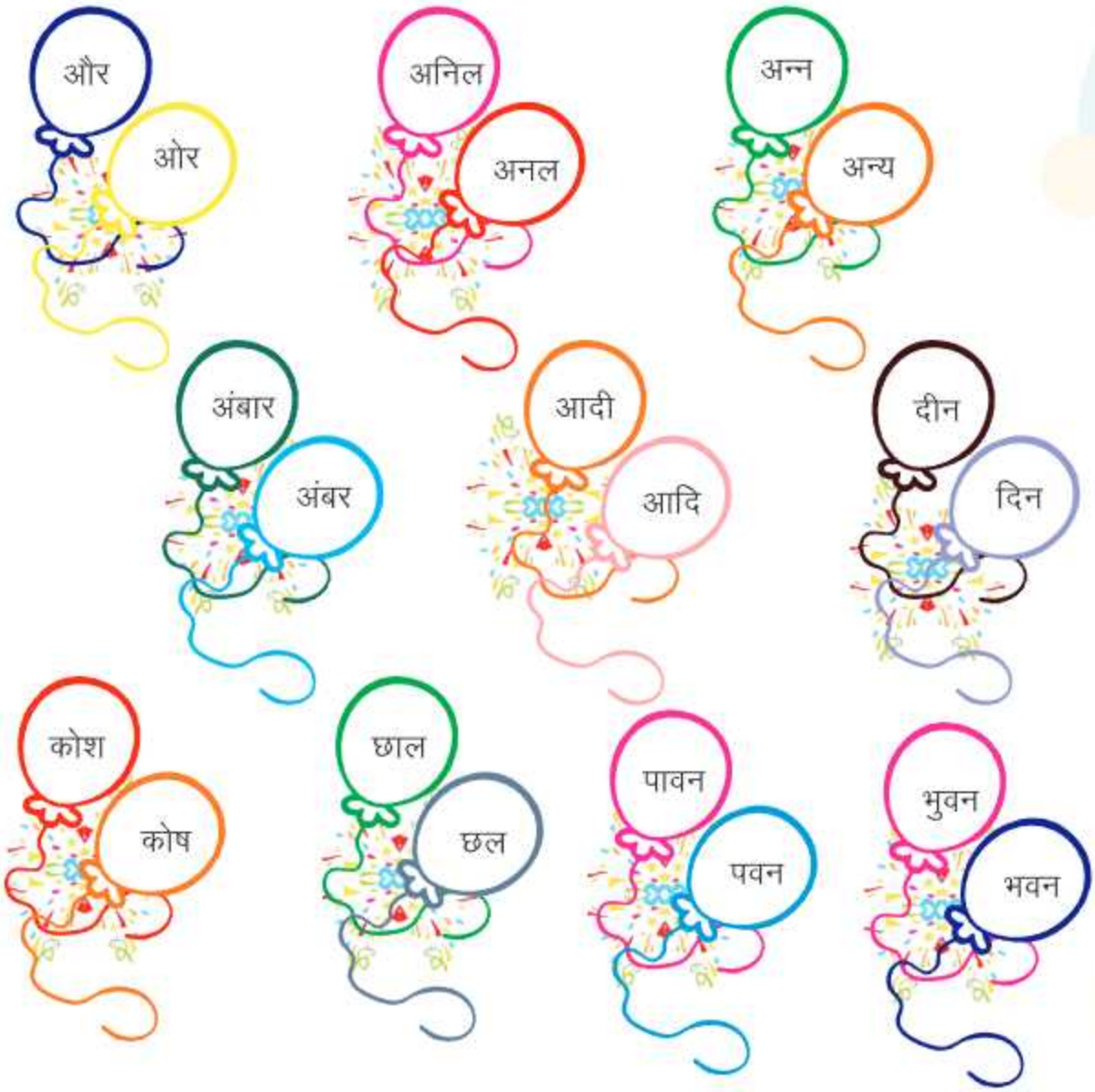

अधिगम प्रतिफल–

- विभिन्न संदर्भों में विभिन्न उद्देश्यों के लिए लिखते समय उपयुक्त विराम चिह्नों, शब्दों, वाक्य संरचनाओं, मुहावरों आदि का उचित प्रयोग करते हैं।
- किसी पाठ्यवस्तु की बारीकी से जाँच करते हुए उसमें किसी विशेष बिंदु को खोजते हैं और निष्कर्ष निकालते हैं।

विलोम शब्द 22

1. नीचे बॉक्स में दिए गए शब्दों और चित्रों की सहायता से खाली स्थान में उपयुक्त विलोम शब्द लिखिए।

गर्मी, बड़ा, रात, बन्द

छोटा

सर्दी

दिन

खुला दरवाज़ा

दरवाज़ा

2. दिए गए शब्दों को उचित विलोम शब्दों के साथ मिलान कीजिए –

शब्द	विलोम शब्द
परिश्रमी	अनुपस्थित
सुख	आलसी
सरल	दुःख
अपना	अनुचित
उचित	कठोर
कोमल	जीत
हार	पराया
उपस्थित	कठिन

अधिगम प्रतिफल–

- विभिन्न संदर्भों में विभिन्न उद्देश्यों के लिए लिखते समय उपयुक्त विराम चिह्नों, शब्दों, वाक्य संरचनाओं, मुहावरों आदि का उचित प्रयोग करते हैं।
- किसी पाठ्यवस्तु की बारीकी से जाँच करते हुए उसमें किसी विशेष बिंदु को खोजते हैं और निष्कर्ष निकालते हैं।

भाव 23

1. नीचे दिए गए चित्रों को ध्यान से देखिए और बताइए, इनसे कौन–से भाव का पता चलता है। भावों के अनुसार वाक्य भी बनाइए।

उदाहरण :–

	भाव	
	खुशी	मदन बहुत खुश है।
	___	_____
	___	_____
	___	_____
	___	_____
	___	_____
	___	_____
	___	_____

अधिगम प्रतिफल–

- पाठ्यवस्तु की बारीकी से जाँच करते हुए उसमें विशेष बिंदु को खोजते हैं, अनुमान लगाते हैं और निष्कर्ष निकालते हैं।
- विभिन्न प्रकार की ध्वनियों, जैसे– (बारिश, हवा, रेल, बस आदि को सुनने और किसी वस्तु के स्वाद आदि के अनुभव को अपने ढंग से) मौखिक व सांकेतिक भाषा में प्रस्तुत करते हैं।

वृक्ष 24

1. नीचे दिए गए फलों के पेड़ों को पहचानिए और नाम लिखिए–

_____ _____ _____ _____

2. आपने भी अनेक तरह के पेड़ देखे होंगे। आपके घर के आस–पास जो फलों के पेड़ हैं, उनका चित्र बनाइए और उनके नाम भी लिखिए।

.....

.....

.....

3. पेड़ों से हमें क्या–क्या मिलता है ? अपने माता–पिता/भाई–बहन या मित्रों से चर्चा कीजिए और लिखिए।

.....

.....

.....

.....

.....

4. (i) ऊपर दिए गए चित्र को ध्यान से देखिए और बताइए इस चित्र में बच्चे क्या कर रहे हैं ?

.....

.....

(ii) सोचिए और बताइए क्या ऐसा करना उचित है? यदि इन बच्चों के साथ आप होते तो क्या करते?

.....

.....

.....

अधिगम प्रतिफल–

- किसी पाठ्यवस्तु की बारीकी से जाँच करते हुए उसमें किसी विशेष बिंदु को खोजते हैं और निष्कर्ष निकालते हैं।
- विभिन्न अवसरों/संदर्भों में कही जा रही दूसरों की बातों को अपने ढंग से बताते हैं और लिखते हैं।

समानार्थी शब्द 25

1. निम्नलिखित शब्दों को ध्यान से पढ़िए और उन शब्दों पर गोला लगाइए जिन्हें आप ज़्यादातर प्रयोग करते हैं।

   (i) संसार या दुनिया (ii) पेड़ या वृक्ष (iii) धरती या ज़मीन

   (iv) आकाश या आसमान (v) ख़बर या समाचार

   ऊपर दिए शब्दों के जोड़ों का एक जैसा अर्थ निकलता है। ऐसे शब्दों को समानार्थी या पर्यायवाची शब्द कहते हैं।

2. नीचे लिखे शब्दों के समानार्थी शब्द एक मटके में रखे हुए हैं। आप इन्हें मटके से निकालकर उपयुक्त शब्द के साथ जोड़िए।

   (i) पानी .....

   (ii) सूरज .....

   (iii) हवा .....

   (iv) फूल .....

   (v) साँप .....

3. शब्द बनाइए और उसका अर्थ भी लिखिए।

		शब्द	अर्थ
आ	काश	आकाश	आसमान
	वास	_____	_____
	हार	_____	_____
	लोक	_____	_____
	दर	_____	_____

4. नीचे कुछ उल्टे या विपरीत अर्थ वाले शब्द गलत क्रम में लिखे हुए हैं। आप उन्हें सही शब्द के साथ मिलान करके पुनः लिखिए–

	शब्द	विलोम शब्द
ज्ञान – रात	_____	_____
दिन – अज्ञान	_____	_____
सत्य – अहित	_____	_____
हित – पराजय	_____	_____
जीवन – असत्य	_____	_____
जय – मरण	_____	_____

अधिगम प्रतिफल–

- विभिन्न संदर्भों में विभिन्न उद्देश्यों के लिए लिखते समय उपयुक्त विराम चिह्नों, शब्दों, वाक्य संरचनाओं, मुहावरों आदि का उचित प्रयोग करते हैं।

वाक्य निर्माण 26

1. तालिका में लिखे शब्दों का प्रयोग करते हुए दस वाक्य बनाइए।

नोट : प्रत्येक कॉलम से शब्द लेना आवश्यक नहीं है।
अंतिम कॉलम में आप अपनी मर्जी से भी शब्द भर सकते हैं।

कॉलम 1	कॉलम 2	कॉलम 3	कॉलम 4	कॉलम 5
मैं	आज	बाज़ार	जा रहा	हूँ
हम	अभी	विद्यालय	आ रहे	था।/थे
वे	कल	मेले में	खेल रहा/खेल रहे	है।/हैं।
तुम	तब	मैदान में	खेलने	हो।
आप	कब	घर	जा रहा	होऊँगा
कोई	सुबह	पार्क में	गए/गया	होगा।
वह	परसों	नानी के घर	घूमने	होंगे।

उदाहरण:

मैं कल बाज़ार गया था।

(i) _____

(ii) _____

(iii) _____

(iv) _____

(v) _____

(vi) _____

7. _____

8. _____

9. _____

10. _____

2. (i) तालिका में एक जगह का नाम लिखा है **'नानी का घर'** आपकी बोलचाल की भाषा में नानी के घर को किस नाम से पुकारा जाता है ?

.....

(ii) अपने मित्रों से बात करके पता लगाइए कि वे इसे किस नाम से पुकारते हैं।

.....

3. आपको अपने नाना–नानी या दादा–दादी की कौन–सी आदत सबसे अधिक पसंद है ? लिखिए। क्या आप भी इस आदत को अपनाना चाहेंगे ?

.....

.....

.....

.....

अधिगम प्रतिफल–

- विभिन्न संदर्भों में विभिन्न उद्देश्यों के लिए लिखते समय शब्दों, वाक्य संरचनाओं, मुहावरों आदि का उचित प्रयोग करते हैं।
- अपने से भिन्न भाषा, खान–पान, रहन–सहन संबंधी विविधताओं पर बातचीत करते हैं।

चित्र वर्णन एवं कविता 27

1. नीचे दिए गए चित्र को देखिए–

2. ऊपर बना चित्र किस जगह का लग रहा है?

(i) जंगल ( ) (ii) सर्कस ( )

(iii) चिड़ियाघर ( ) (iv) बाज़ार ( )

3. चित्र में दिखाए गए जानवरों के नाम लिखिए।

_____

_____

4. आइए, अब संकेतों को देखकर नीचे दिए गए खाली स्थानों को भरें और कविता को पूरा करें।

लटक रहे हैं ..... बाबू
पकड़ के पेड़ों की डाली।
.....छमाछम नाचे भैया,
देख के इतनी हरियाली।
.....चौकड़ी भरते घूमें,
नहीं फ़िक्र करे कुछ भी,
रहते हैं सब मिल–जुल कर के,
जंगल में है खुशहाली।
..... सूँड उठाकर नाचे,
.....कूके डाली – डाली ।
जंगल में मंगल है छाया,
घटा छाई है मतवाली।

5. सामान्य लय या तुक वाले शब्द लिखिए।

- मोर घोर चोर छोर
- लाली ....
- जंगल ....

6. 'खुशहाल' शब्द 'खुश' व 'हाल' को जोड़ कर बना है। क्या आप 'खुश' शब्द जोड़कर कुछ शब्द बना सकते हैं?

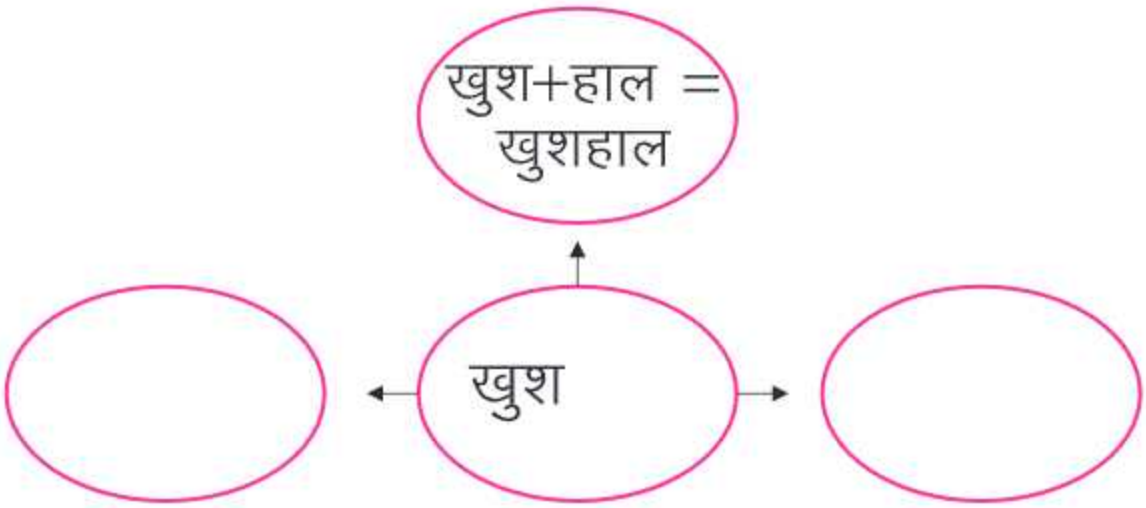

7. आइए अब 'वान' जोड़कर कुछ शब्द बनाइए।

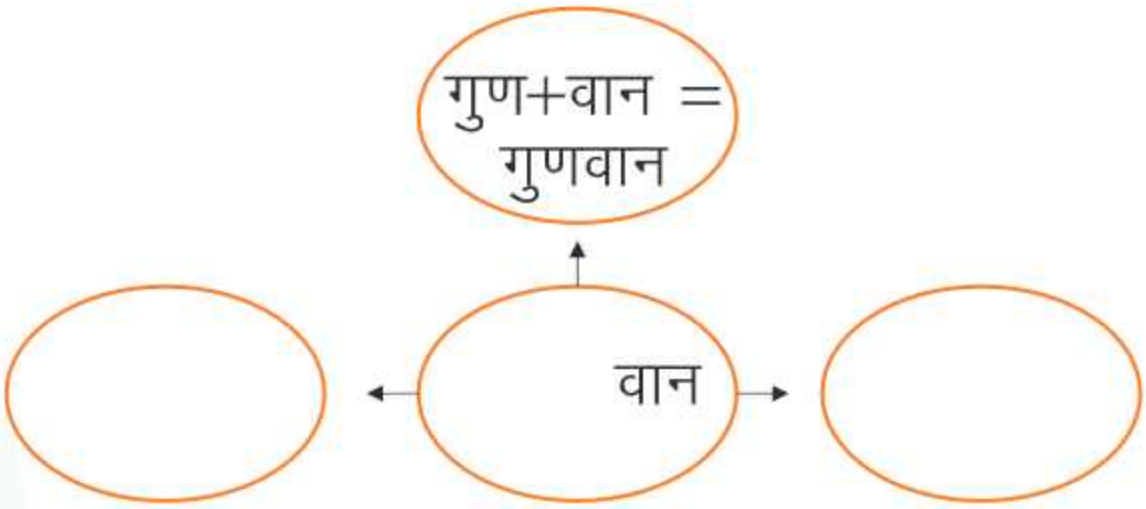

8. अपने मनपसंद जानवर का मुखौटा बनाइए और उसे पहनकर अभिनय कीजिए।

9. बच्चों! आइए अब अपने अँगूठे/अँगुली की छाप से कुछ जानवरों के चित्र बनाइए–

पक्षी

बंदर

चूहा

सुअर

मछली

मधुमक्खी

मेंढ़क

अधिगम प्रतिफल–

- किसी पाठ्यवस्तु की बारीकी से जाँच करते हुए उसमें किसी विशेष बिंदु को खोजते हैं, अनुमान लगाते हैं और निष्कर्ष निकालते हैं।
- विभिन्न संदर्भों में विभिन्न उद्देश्यों के लिए लिखते समय शब्द, वाक्य संरचनाओं, मुहावरों आदि का उचित प्रयोग करते हैं।
- भाषा की बारीकियों /व्यवस्था /ढंग पर ध्यान देते हुए उसकी सराहना करते हैं, जैसे– कविता में लय–तुक, वर्ण–आवृत्ति तथा कहानी, निबंध में मुहावरे, लोकोक्ति आदि।
- विविध कलाओं, जैसे हस्तकला, वास्तुकला, खेती–बाड़ी, नृत्यकला आदि से जुड़ी सामग्री में प्रयुक्त भाषा के प्रति जिज्ञासा व्यक्त करते हुए उसकी सराहना करते हैं।

नन्हीं बूँद 28

प्यारे बच्चों! दो या दो से अधिक लोगों की आपसी बातचीत को संवाद कहते हैं।

नन्हीं बूँद है बड़ी उदास, कोई मित्र नहीं उसके पास।

बच्चो तुम कुछ बातें बतियाओ, नन्हीं बूँद का मन बहलाओ।

नन्हीं बूँद :– आज मैं बहुत उदास हूँ।

आप :– तुम क्यों ..... हो?

नन्हीं बूँद :– कोई भी मेरा मित्र नहीं है।

आप :– प्यारी बूँद मैं ..... हूँ क्या मैं तुम्हारी ..... बन सकती हूँ ?

नन्हीं बूँद :– नहीं, तुम तो इंसान हो और मैं एक बूँद हूँ पानी की।

आप :– तो क्या हुआ ? हम इंसान ....

नन्हीं बूँद :– अच्छा ! तुम सबकी मदद करते हो ? मेरी मदद करोगे ?

आप :– ..... बताओ तुम्हें ..... चाहिए ?

नन्हीं बूँद :– मुझे भी मेरे मित्रों के पास जाना है, क्या मुझे, इस छाया से निकाल कर धूप में रख सकती हो ?

आप :– बस, इतनी सी .....। ये तो मैं पल भर में .....हूँ।

नन्हीं बूँद :– धन्यवाद मित्र। अब मैं भी भाप बन अपने मित्रों के पास जा रही हूँ।

आप :– अच्छा तुम अपना ..... रखना।

फिर मिलेंगे अगली बरसात में।

अधिगम प्रतिफल–

- पाठ्यवस्तु को समझकर अपने ढंग से बातचीत को आगे बढ़ाते हैं।
- विभिन्न प्रकार की ध्वनियों, जैसे– बारिश, हवा, रेल, बस आदि को सुनने और किसी वस्तु के स्वाद आदि के अनुभव को अपने ढंग से मौखिक/सांकेतिक भाषा में प्रस्तुत करते हैं।

मेला 29

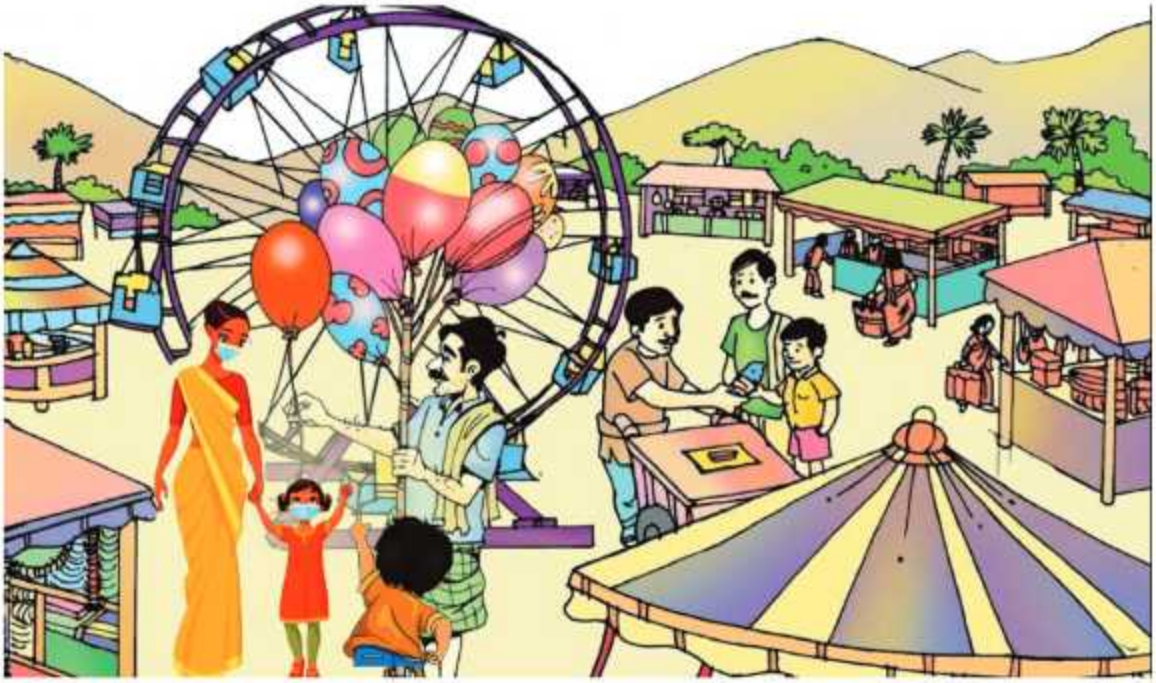

1. आइए चित्र की बातें करें।

(i) यह एक ..... (मेले / दुकान) का चित्र है।

(ii) माँ ने सुन्दर सी ..... (साड़ी / पगड़ी) पहनी है।

(iii) मुन्नी उम्र में सबसे ..... (छोटी / बड़ी) है।

(iv) मुन्नी ने .....(माताजी / भैया) का हाथ पकड़ा हुआ है।

(v) भैया ..... (खिलौनेवाले / झूले) की ओर इशारा कर रहा है।

2. आइए अब करें कुछ अपनी बातें–

(I) क्या आपके घर में आपसे उम्र में छोटा कोई सदस्य है? यदि हाँ, तो वह कौन है?

.....

.....

(ii) छोटे बच्चों को अधिक लाड़–प्यार किया जाता है। क्या आप हमेशा छोटे ही बने रहना चाहते हैं या जल्दी से बड़े होना चाहते हैं? अपने उत्तर का कारण भी बताइए।

.....

.....

3. (i) नीचे लिखे शब्दों को पढ़िए–

चाद	हू	मा

अब इन शब्दों को पढ़िए –

चाँद	हूँ	माँ

क्या आपको इन शब्दों के उच्चारण में कुछ अंतर महसूस हुआ?.....
यह अंतर इन पर लगे चन्द्रबिंदु (ँ) के कारण आया है।

(ii) नीचे दिए गए चित्रों को देखकर उनके नाम लिखिए और उन चित्रों पर गोला लगाइए जिनका नाम लिखते समय चन्द्रबिंदु का प्रयोग किया जाता है।

....

4. एक मजेदार सी कविता में एक नन्हीं लड़की ने अपनी माँ से कहा कि वह बड़ी नहीं होना चाहती। क्या आप भी वह कविता पढ़ना/सुनना चाहते हैं? यदि हाँ, तो आप दिए गए लिंक https://youtu.be/q5302pHLKJQ की सहायता से उसे पढ़/सुन सकते हैं। इस कार्य में आप अपने अध्यापक/अध्यापिका की मदद भी ले सकते हैं।

अधिगम प्रतिफल–

- देखी, सुनी (अनुभव की) गई बातों, जैसे– स्थानीय सामाजिक घटनाओं, कार्यक्रमों और गतिविधियों पर बेझिझक बात करते हैं, प्रश्न करते हैं और बातचीत को अपने ढंग से आगे बढ़ाते हैं।
- हिंदी भाषा में विभिन्न प्रकार की सामग्री (समाचार, पत्र–पत्रिका, इन्टरनेट पर प्रकाशित होने वाली सामग्री आदि) को समझकर पढ़ते हैं और उस पर मौखिक/लिखित/ब्रेल/सांकेतिक भाषा में अपनी पसंद–नापसंद, राय, टिप्पणी आदि देते हैं।
- विभिन्न संदर्भों में विभिन्न उद्देश्यों के लिए लिखते समय शब्दों, वाक्य संरचनाओं, मुहावरों का उचित प्रयोग करते हैं।

पर्यावरण दिवस 30

विद्यालय में 'ईको क्लब प्रभारी' शिक्षिका ने विद्यार्थियों को '5 जून' पर्यावरण दिवस' पर पौधे लाने को कहा। नीचे दिए गए ग्राफ में बच्चों द्वारा लाए गए पौधों को दिखाया गया है।

1. नीचे दिए गए ग्राफ को समझकर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

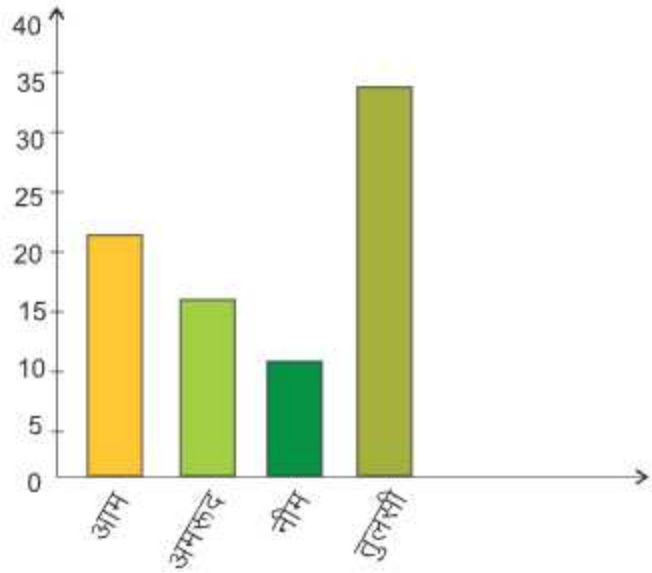

(i) आम का पौधा कितने बच्चे लाए ? .....

(ii) नीम का पौधा कितने बच्चे लाए ? .....

(iii) कुल कितने पौधे लाए गए ? .....

(iv) सबसे ज्यादा पौधे कौन से लाए गए ? .....

(v) पर्यावरण दिवस कब मनाया जाता है ? .....

(vi) तुलसी व नीम किस प्रकार हमारे स्वास्थ्य के लिए उपयोगी है? सोचकर लिखिए।

.....

.....

.....

.....

अधिगम प्रतिफल–

- किसी पाठ्यवस्तु की बारीकी से जाँच करते हुए उसमें किसी विशेष बिंदु को खोजते हैं, अनुमान लगाते हैं और निष्कर्ष निकालते हैं।

समय 31

1. आप किस समय जागते हैं? अपने जागने के समय को नीचे दिए गए घड़ी के चित्र में अंकित कीजिए।

2. आपको सुबह कौन जगाता है? आपस में बातचीत कीजिए।

3. सुबह उठकर किए जाने वाले इन कार्यों को क्रम से लिखिए।

....

4. नीचे दिए चित्रों को देखिए। इनमें से जो खाना आपको पसंद है, उस पर गोला लगाइए।

रोटी

दाल

पिज्जा

चावल

बर्गर

समोसा

दलिया

ब्रेड

केला

अंडा

चिप्स

सेब

घीया

मोमोज

सेहत के लिए हानिकारक एवं लाभदायक खाने की वस्तुओं की अलग–अलग सूची बनाइए।

लाभदायक	हानिकारक
1. _____	_____
2. _____	_____
3. _____	_____
4. _____	_____
5. _____	_____
6. _____	_____

अधिगम प्रतिफल–

- अपने से भिन्न भाषा, खान–पान, रहन–सहन संबंधी विविधताओं पर बातचीत करते हैं।
- हिंदी भाषा में विविध प्रकार की रचनाओं को पढ़ते हैं।

अनेक शब्दों के लिए एक शब्द 32

1. नीचे दी गई तालिका में से सही शब्द छाँटकर खाली स्थान भरिए।

निडर		वार्षिक
बेसहारा	दैनिक	सहपाठी

(i) जिसका कोई सहारा न हो .....

(ii) जो डरता न हो .....

(iii) जो प्रतिदिन हो .....

(iv) जो वर्ष में एक बार हो .....

(v) जो साथ में पढ़ता है .....

2. सही उत्तर के सामने सही (✓) का निशान लगाइए–

(क) जो सप्ताह में एक बार हो
- i डाकिया ( )
- ii अमर ( )
- iii मासिक ( )
- iv साप्ताहिक ( )

(ख) जिसका अंत न हो
- i गायक ( )
- ii अनंत ( )
- iii सहपाठी ( )
- iv निर्दोष ( )

(ग) जिसका दोष न हो
- i निर्दोष ( )
- ii अमर ( )
- iii गायक ( )
- iv चित्रकार ( )

(घ) जो चित्र बनाता हो
- i सहपाठी ( )
- ii गायक ( )
- iii चित्रकार ( )
- iv साप्ताहिक ( )

(ङ) जो गाता हो
- i गायक ( )
- ii सहपाठी ( )
- iii अमर ( )
- iv मासिक ( )

3. समानार्थी शब्दों का मिलान कीजिए।

(i) जिसके आने की तिथि मालूम नहीं हो	पाठक
(ii) जिसका कोई नहीं हो	अमर
(iii) जो कभी बूढ़ा नहीं हो	अनाथ
(iv) पढ़ने वाला व्यक्ति	अतिथि
(v) जिसकी कभी मृत्यु नहीं हो	अजर

4. नीचे दिए गए वाक्यों का सही चित्रों से मिलान कीजिए–

(i) जो खेती करते हैं

(ii) जो विद्यार्थी को पढ़ाते हैं

(iii) विद्यालय में पढ़ने वाले

(iv) सेना में कार्य करने वाले

अधिगम प्रतिफल–

- विभिन्न संदर्भों में विभिन्न उद्देश्यों के लिए लिखते समय उपयुक्त विराम चिह्नों, शब्दों, वाक्य संरचनाओं, मुहावरों आदि का उचित प्रयोग करते हैं।

इन्द्रधनुष 33

1. ऊपर दिए गए चित्रों को अपने अनुसार जोड़ते हुए एक कहानी लिखिए।

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

2. बादल का चित्र बनाकर उसमें अपने मनपसंद रंग भरिए और बादल में अपने मन की अभिलाषाएँ लिखकर अपनी कक्षा के सूचना–पट्ट पर लगाइए।

3. ऊपर दिए गए चित्र को ध्यान से देखिए और बताइए, इसमें आपको क्या–क्या दिखाई दे रहा है?

.....

.....

4. ऊपर दिए गए चित्र में आपको बहुत से रंग भी दिखाई दे रहे होंगे, ऐसा दृश्य आपने कभी न कभी अवश्य देखा होगा। यह दृश्य कब और क्यों दिखाई देता है?

.....

.....

.....

.....

.....

.....

5. ऊपर दिए गए चित्र को ध्यान से देखिए। इन रंगों को मिलाकर हम कई रंग बना सकते हैं। नीचे दिए गए दो रंगो को मिलाइए और बनने वाले रंग को दी गई आकृति (तारे) में भरिए और नए रंग का नाम भी लिखिए–

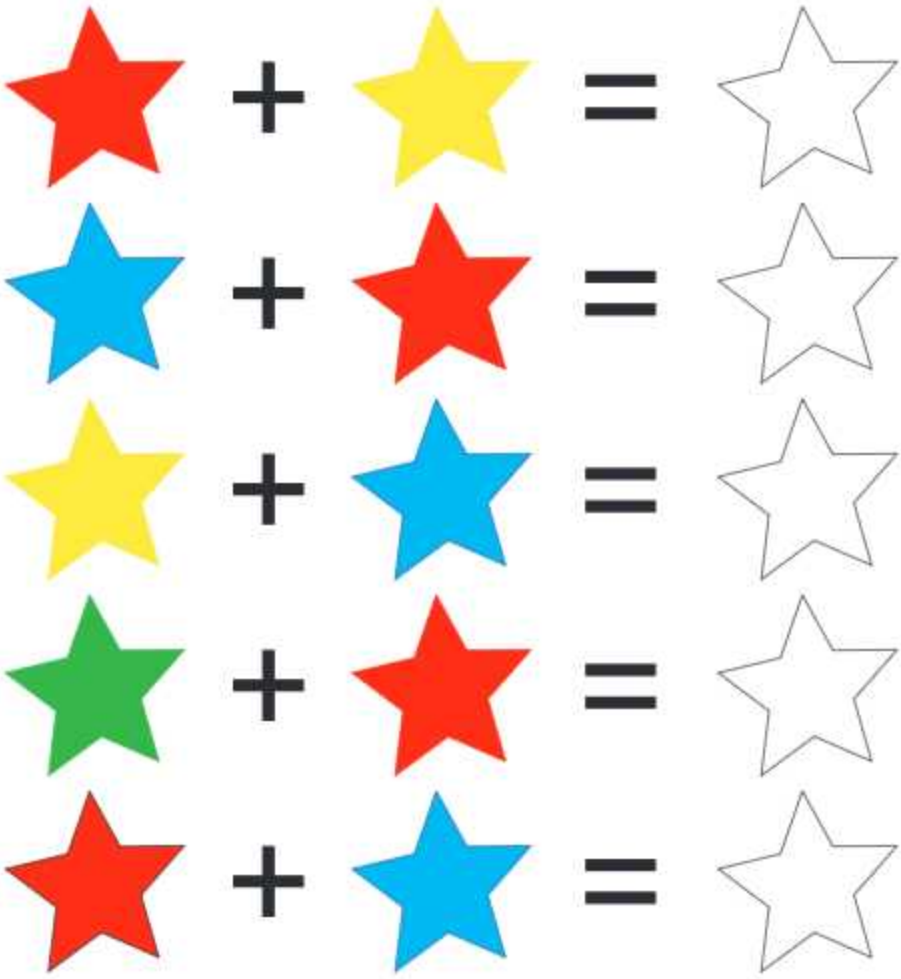

अधिगम प्रतिफल–

- विविध कलाओं से जुड़ी सामग्री में प्रयुक्त भाषा के प्रति जिज्ञासा व्यक्त करते हुए सराहना करते हैं।
- देखी, सुनी (अनुभव की) गई बातों, जैसे– स्थानीय घटनाओं, कार्यक्रमों और गतिविधियों पर बेझिझक बात करते हैं, प्रश्न करते हैं और बातचीत को अपने ढंग से आगे बढ़ाते हैं।

ओलंपिक खेल 34

प्यारे बच्चों! ओलंपिक खेलों में भारतीय खिलाड़ियों ने बहुत अच्छा प्रर्दशन किया और मेडल जीतकर अपने देश का गौरव बढ़ाया। चलो, आपको भी उनसे मिलवाते हैं।

टोक्यो ओलंपिक भारतीय विजेता 2020

नीरज चोपड़ा
(स्वर्ण पदक – भाला फेंक)

मीरा बाई चानू
(रजत पदक – भारोत्तोलक)

रवि दहिया
(रजत पदक – कुश्ती)

पी. वी. सिंधु
(कांस्य पदक – बैडमिंटन)

लवलीना बोर गोहन
(कांस्य पदक – मुक्केबाज)

बजरंग पुनिया
(कांस्य पदक – कुश्ती)

भारतीय पुरूष हॉकी टीम
(कांस्य पदक – हॉकी)

पदकों के अंग्रेज़ी नाम : स्वर्ण – गोल्ड, रजत – सिल्वर, कांस्य – ब्रॉन्ज

प्यारे बच्चों! इन खिलाड़ियों और उनके द्वारा खेले गए खेलों की जानकारी अपने शिक्षक/शिक्षिका व मित्रों के साथ साझा कीजिए।

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर खेल–खेल में दीजिए।

प्रश्न 1. आपका प्रिय खेल कौन–सा है ?

प्रश्न 2. खेल किस प्रकार हमारी सेहत को सही रखते हैं?

प्रश्न 3. हमारा राष्ट्रीय खेल कौन सा है?

प्रश्न 4. सोचकर बताइए 'मेडल' पदक का आकार 'गोल' होने के अलावा और कैसा हो सकता है?

प्रश्न 5. बच्चो 'मीरा बाई चानू' की कहानी खोजकर पढ़ें और 'प्रेरणादायक कहानी' लिखें।

अधिगम प्रतिफल–

- पाठ्यसामग्री को पढ़कर, समझकर अपनी पसंद–नापसंद पर राय देते हैं।
- विभिन्न संदर्भों में विभिन्न उददेश्यों के लिए लिखते समय उपयुक्त मुहावरों, विराम चिह्नों, वाक्य संरचनाओं का उचित प्रयोग करते हैं।

कोरोना अख़बार 35

कोरोना महामारी का कहर और बचाव के उपाय

हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नजरिया
महामारी
पूरा देश 21 दिन के लिए घरों में पाबंद
जनता कर्फ्यू
आयकर और जीएसटी 30 जून तक जमा होगा

प्यारे बच्चों! ऊपर अखबार की एक कटिंग का चित्र दिया गया है। इस कटिंग को ध्यान से देखिए और आपस में चर्चा कीजिए। आप चर्चा के लिए निम्न प्रश्नों को आधार बना सकते हैं।

1. इस चित्र को किस घटना का आधार दिया गया है?
2. कोरोना क्या है?
3. कोरोना महामारी का फैलाव कैसे होता है?
4. कोरोना महामारी का समाज के विविध वर्गों पर क्या प्रभाव पड़ा है?
   क) दुकानदारों पर ख) मजदूरों पर ग) विद्यार्थियों पर
   घ) पढ़ने पढ़ाने के तरीकों पर ड) आप पर (यदि आप सहज हैं, तभी इस बिंदु पर चर्चा करें।)
5. कोरोना महामारी का फैलाव कैसे रोका जा सकता है?

आइए आपस में की गई चर्चा को हम बिन्दुवार लिखने का प्रयास करते हैं। आप अपने अध्यापक/अध्यापिका/अभिभावक की सहायता भी ले सकते हैं।

_____

_____

_____

_____

_____

नोटः यह गतिविधि तभी करवाई जाए जब उस कक्षा में किसी के साथ कोरोना में कोई हादसा न हुआ हो।

अधिगम प्रतिफल–

- पाठ्यवस्तु को पढ़कर अनुमान लगाते हैं और निष्कर्ष निकालते हैं।

कोरोना 36

प्यारे बच्चों! कोरोना महामारी से हम पिछले साल से लड़ रहे हैं। जीत भी रहे हैं। सावधानियाँ और सतर्कता ही बचाव है, तो एक प्रश्नोत्तरी से जाँचें आप कितने सुरक्षित हैं? अपना उत्तर हाँ या ना में दें।

1. क्या आप 'कोविड – 19' विषाणु के बारे में जानते हैं? .....
2. क्या आप घर के बाहर 'मास्क' पहन कर जाते हैं? .....
3. क्या आप बार–बार हाथ धोते हैं? .....
4. क्या आप भीड़–भाड़ वाले स्थलों पर जाते हैं? .....
5. क्या आप कोरोना महामारी के लक्षणों से परिचित हैं? .....
6. क्या आप छींकते या खाँसते वक्त बाजू को मुँह के पास नाक के आगे लगाते हैं? .....
7. क्या आप नियमित योगाभ्यास करते हैं? .....
8. क्या आप कोरोना को लेकर फैली अफवाहों पर सरलता से विश्वास कर लेते हैं? .....
9. क्या आप स्वच्छ और शुद्ध भोजन व स्वच्छ पानी का उपयोग करते हैं? .....
10. क्या आप नियमित रुप से धूप में कुछ समय बिताते हैं? .....

यदि आप सभी प्रश्नों में दस अंक पाते हैं, तो आप सुरक्षित हैं और यदि 9, 8, 7 अंक पाते हैं तो सावधानियाँ बरतें ।

अधिगम प्रतिफल–

- पाठ्यवस्तु को पढ़कर अनुमान लगाते हैं और निष्कर्ष निकालते हैं।

त्योहार 37

1. ऊपर दिए गए चित्रों को ध्यान से देखिए। इस वर्ष जो त्योहार मनाए गए हैं या मनाए जाने वाले हैं, उनका नाम और मनाए जाने वाले महीनों के नाम नीचे दी गई आकृति में लिखिए –

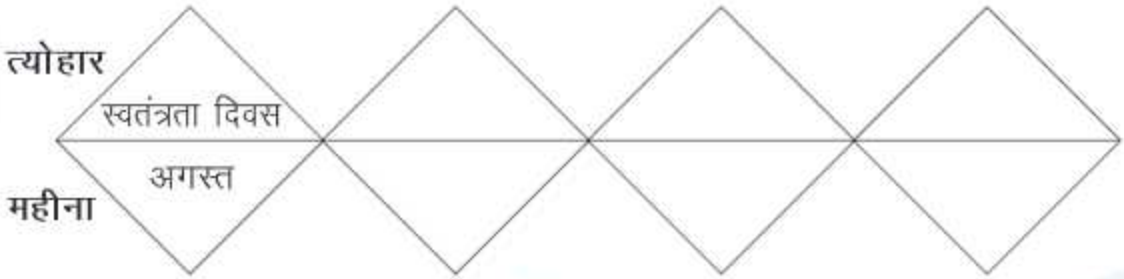

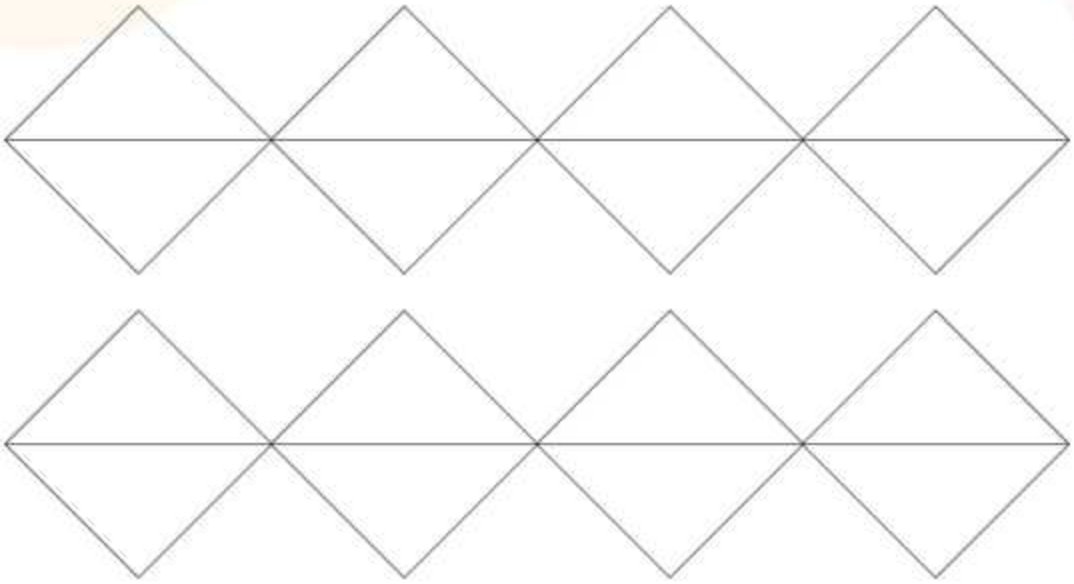

2. त्योहार का एक नाम पर्व भी होता है। पर्व कई प्रकार के होते हैं। ऊपर दिए गए चित्रों को देखकर विभिन्न पर्वों के नाम नीचे दी गई आकृति में लिखकर उन्हें सूचीबद्ध कीजिए।

3. दीपावली पर आप घर में सजावट करने लिए लड़ियाँ आदि लगाते हैं। नीचे दी गई शृंखला में शब्द जोड़कर लड़ियाँ बनाइए–

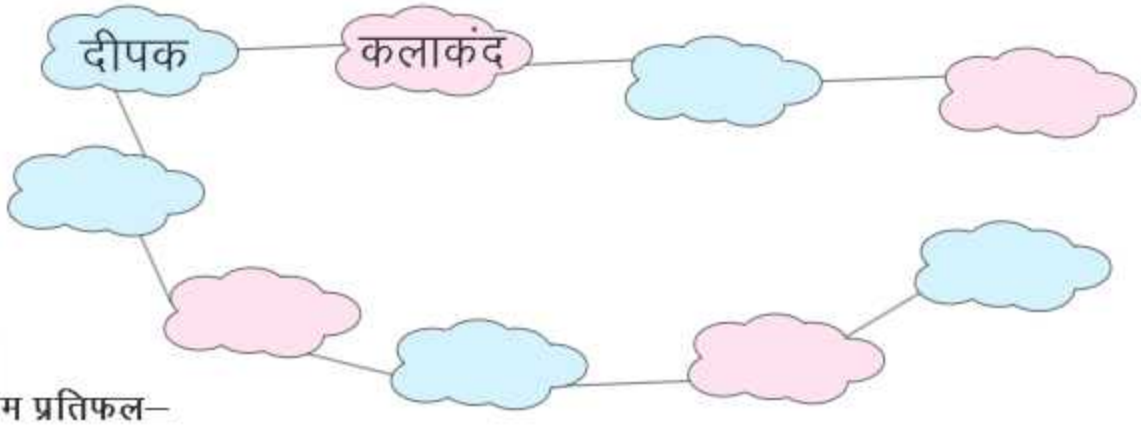

अधिगम प्रतिफल–

- किसी पाठ्यवस्तु की बारीकी से जाँच करते हुए उसमें किसी विशेष बिंदु को खोजते हैं, अनुमान लगाते हैं और निष्कर्ष निकालते हैं।
- हिंदी भाषा में विविध प्रकार की रचनाओं को पढ़ते हैं।

मेरा गाँव 38

मेरा गाँव बहुत सुन्दर है। गाँव में हमारा बड़ा सा मकान है। वहाँ दस खेत भी हैं। खेत की मेड़ों पर बड़े–बड़े पेड़ भी लगे हैं। उनमें से चार आम के पेड़ हैं। उन पर खूब सारे आम लगते हैं। कच्चे आम का रंग हरा होता है और पके आम पीले हो जाते हैं। हम सब लोग छककर आम खाते हैं और बचे हुए आमों को बेचकर बहुत रूपये भी कमाते हैं।

ऊपर लिखे हुए रंगीन शब्दों को ध्यान से पढ़िए। ये शब्द संज्ञा और सर्वनाम शब्दों के बारे में यानी उनकी विशेषताएँ बता रहे हैं।

1. गाँव कैसा है? .....
2. खेत की मेड़ पर क्या खड़े हैं? .....
3. कितने खेत हैं? .....
4. किनका रंग हरा होता है? .....
5. कितने रुपये कमाते हैं? .....

ऊपर प्रश्न के उत्तर में लिखे सभी शब्द संज्ञा या सर्वनाम की किसी न किसी विशेषता के बारे में बता रहे हैं। ऐसे शब्दों को विशेषण कहते हैं। चित्रों को ध्यान से देखिए–

रंग–बिरंगे फूल

टूटा हुआ घोंसला

एक दर्ज़न केले

अभ्यास करें :–

1. संज्ञा और सर्वनाम की विशेषता बताने वाले शब्दों को .....कहते हैं।

   (i) संज्ञा (ii) सर्वनाम (iii) क्रिया (iv) विशेषण

2. नीचे दिए गए चित्रों को देखकर उनकी विशेषता बताइए/लिखिए–

....

....

....

3. उचित विशेषण शब्द छाँटकर खाली स्थान भरिए–

   (i) मेरी माँ के पास कई ..... साड़ियाँ हैं। (सुन्दर/ऊँची/पिचकी)

   (ii) रतन बाज़ार से ..... चीनी लेकर आया । (दो किलो/दो मीटर/दो लीटर)

   (iii) निशा बहुत ..... लड़की है। (नीली/समझदार/आदमी)

   (iv) पेड़ के नीचे ..... आदमी बैठा है। (बचपन/बूढ़ा/रंग–बिरंगा)

अधिगम प्रतिफल–

- विभिन्न अवसरों/संदर्भों में कही जा रही दूसरों की बातों को अपने ढंग से बताते हैं और लिखते हैं।
- विभिन्न संदर्भों में विभिन्न उददेश्यों के लिए लिखते समय उपयुक्त विराम चिह्नों, वाक्य संरचनाओं, मुहावरों का उचित प्रयोग करते हैं।

मुहावरे 39

आज राजू की खुशी का ठिकाना ना रहा क्योंकि आज उसकी माँ ने उसकी पसंद का खाना जो बनाया था।

इस वाक्य का रेखांकित हिस्सा एक मुहावरा है जो बहुत खुश होने के भाव को बता रहा है। बहुत खुश होने के भाव बताने वाले नीचे दिए गए मुहावरों को पढ़िए और उनका वाक्यों में भी प्रयोग कीजिए।

ज़मीन पर पैर न पड़ना

गद्गद् होना

बहुत खुश होना

घी के दिए जलाना

फूला नहीं समाना

ऊपर दिए गए उदाहरण को देखकर पता चलता है कि अपनी बात कहने के दो तरीके होते हैं – साधारण तरीका और दूसरा विशेष तरीका। हमारे साधारण कथन को विशेष बना देने वाले वाक्यांश ही मुहावरे कहलाते हैं।

1. नीचे दिए गए चित्रों को देखकर उनका सही अर्थ देने वाले मुहावरे चित्र के सामने लिखिए–

2. नीचे दिए गए मुहावरों का उनके सही अर्थ के साथ मिलान करके पुनः लिखिए–

(I)	कमर कसना	हरा देना
(ii)	तैयार होना	दाँत खट्टे करना
(iii)	चौकन्ना होना	पछताना
(iv)	सावधान होना	हाथ मलना
(v)	बहुत भूख लगना	दाल में काला होना
(vi)	पेट में चूहे कूदना	शक होना

.....

.....

.....

.....

.....

.....

3. कार्यपत्रक में आए मुहावरों में से किन्हीं पाँच मुहावरों का प्रयोग करते हुए एक छोटी कहानी लिखने का प्रयास कीजिए और कहानी को अपनी कक्षा में सुनाइए–

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

अधिगम प्रतिफल–

- विभिन्न संदर्भों में विभिन्न उद्देश्यों के लिए लिखते समय उपयुक्त विराम चिह्नों, शब्दों, वाक्य संरचनाओं, मुहावरों आदि का उचित प्रयोग करते हैं।
- भाषा की बारीकियों/व्यवस्था/ढंग पर ध्यान देते हुए उसकी सराहना करते हैं, जैसे– कहानी, निबंध में मुहावरे, लोकोक्ति आदि।

विराम-चिह्न 40

विराम : रूकना या ठहराव

प्यारे बच्चों! आज हम जो कहानी समझाने जा रहे हैं, वह आपकी हिंदी की पाठ्यपुस्तक 'वसंत' में पाठ 06 है। कहानी का नाम है ''पार नज़र के''। यह कहानी जयंत विष्णु नार्लीकर जी ने लिखी है। कहानी का एक अंश नीचे दिया जा रहा है। जिसके माध्यम से हम विराम–चिह्न के बारे मे पढ़ेंगे।

''छोड़ो भी! मैं इसे समझा दूँगा सब। फिर वह ऐसी गलती नहीं करेगा।" पापा ने छोटू को बचा लिया। बोले, "छोटू, मैं जहाँ काम करता हूँ न, वह क्षेत्र ज़मीन से ऊपर है। आम आदमी वहाँ नहीं जा सकता, क्योंकि वहाँ के माहौल में जी ही नहीं सकता।"

"तो फिर आप कैसे जाते हैं वहाँ?" छोटू का सवाल लाज़िमी था।

"मैं वहाँ एक खास किस्म का सूट पहन कर जाता हूँ। इस स्पेस सूट से मुझे ऑक्सीजन मिलता है, जिससे मैं साँस ले सकता हूँ। इसी स्पेस–सूट की वजह से बाहर की ठंड से मैं अपने आपको बचा सकता हूँ। खास किस्म के जूतों की वजह से ज़मीन के ऊपर मेरा चलना मुमकिन होता है। ज़मीन के ऊपर चलने–फिरने के लिए हमें एक विशेष प्रकार का प्रशिक्षण दिया जाता है।''

1. विराम चिह्न का प्रयोग बॉक्स में ☐ करें।

   (i) स्पेस ☐ सूट (।) (–)

   (ii) छोड़ो भी ☐ (।) (!)

   (iii) आप कैसे जाते है वहाँ ☐ (!) (?)

   (iv) पापा ने छोटू को बचा लिया (,) (।)

   (v) छोटू ☐ मैं जा रहा हूँ ☐ (।) (,) (?)

2. हमारे दैनिक जीवन में प्रयोग होने वाले छोटे–छोटे वाक्यों में विराम चिह्नों का प्रयोग बॉक्स ☐ में करें।

   (i) दिन ☐ रात (।) (–)

   (ii) आपका नाम क्या है ☐ (,) (?)

   (iii) अरे ☐ यह क्या है (!) (?)

   (iv) मैं खेलता हूँ ☐ (,) (।)

   (v) भाई ☐ इधर आओ ☐ (।) (,) (?)

विराम–चिह्न और उनके नाम–

विराम–चिह्न	विराम–चिह्न का नाम
।	पूर्ण विराम
,	अल्प विराम
?	प्रश्नवाचक चिह्न
–	योजक चिह्न
!	विस्मयादि बोधक

3. निम्नलिखित विराम–चिह्नो का मिलान कीजिए।

विराम–चिह्न का नाम	विराम–चिह्न
(i) योजक चिह्न	।
(ii) पूर्ण विराम	?
(iii) प्रश्नवाचक चिह्न	–
(iv) विस्मयादि बोधक	,
(v) अल्प विराम	!

अधिगम प्रतिफल–

- विभिन्न संदर्भों में विभिन्न उद्देश्यों के लिए लिखते समय उपयुक्त विराम चिह्नों, शब्दों, वाक्य संरचनाओं, मुहावरों आदि का उचित प्रयोग करते हैं।

राजप्पा का एलबम 41

नीचे लिखे अनुच्छेद को पढ़िए –

राजप्पा के एलबम की, लड़कों में काफ़ी तारीफ़ हो रही थी। मधुमक्खी की तरह उसने एक–एक करके टिकट जमा किए थे। उसे तो बस एक धुन सवार थी। सुबह आठ बजे वह घर से निकल पड़ता। टिकट जमा करने वाले सारे लड़कों के चक्कर लगाता। दो ऑस्ट्रेलिया के टिकटों के बदले एक फिनलैंड का टिकट लेता। दो पाकिस्तानी के बदले एक रूस का। बस शाम जैसे ही घर लौटता, बस्ता कोने में पटककर अम्मा से चबेना लेकर निकर की जेब मे भर लेता और खड़े–खड़े कॉफ़ी पीकर निकल जाता। चार मील दूर अपने दोस्त के घर से कनाडा का टिकट लेने पगडंडियों में होकर भागता। स्कूल भर में उसका एलबम सबसे बड़ा था। सरपंच के लड़के ने उसके एलबम को पच्चीस रूपए में खरीदना चाहा था, पर राजप्पा नहीं माना।

अब इस अनुच्छेद के आधार पर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. अक्सर किसी एलबम का प्रयोग एक जैसी वस्तुओं को सहेजने के लिए किया जाता है। जैसे– फोटो एलबम। आपके विचार से ऊपर लिखी पंक्तियों में किस एलबम की बात हो रही है?

   (I) डाक–टिकट एलबम

   (ii) फोटो एलबम

   (iii) रेल–टिकट एलबम

   (iv) हवाई–टिकट एलबम

2. 'उसे तो बस एक ही धुन सवार थी।'

   (i) यहाँ 'उसे' शब्द का प्रयोग किसके नाम के स्थान पर किया गया है?

   .....

   (ii) ऊपर दी गई पंक्तियों में ऐसे कुछ और शब्द भी लिखे हैं जिनका प्रयोग किसी के नाम के स्थान पर किया गया है। इन शब्दों को खोजकर लिखिए।

   .....

   .....

वे शब्द जिनका प्रयोग किसी नाम (संज्ञा) के स्थान पर किया जाता हैं, सर्वनाम कहलाते हैं।

3. सरपंच के लड़के ने एलबम कितने रूपये मे खरीदना चाहा ?
4. क्या राजप्पा एलबम बेचने के लिए मान गया? क्यों?

.....

5. अपने आस–पड़ोस या किसी पार्क मे गिरी हुई पत्तियों को इकट्ठा कीजिए और किसी पुरानी कॉपी पर उन्हें चिपकाइए। इन पत्तियों के नीचे इनके नाम भी लिखिए और इस प्रकार अपनी पत्तियों की एलबम तैयार कीजिए।

	आम की पत्ती

अधिगम प्रतिफल–

- किसी पाठ्यवस्तु की बारीकी से जाँच करते हुए उसमें किसी विशेष बिंदु को खोजते हैं, अनुमान लगाते हैं और निष्कर्ष निकालते हैं।
- हिंदी भाषा में विभिन्न प्रकार की सामग्री (समाचार, पत्र–पत्रिकाओं, कहानी जानकारीपरक सामग्री इन्टरनेट पर प्रकाशित होने वाली सामग्री आदि) को समझकर पढ़ते हैं और उसमें अपनी पसंद–नापसंद, राय, टिप्पणी देते हैं।
- विभिन्न संदर्भों में विभिन्न उद्देश्यों के लिए लिखते समय शब्दों, वाक्य संरचनाओं, मुहावरों आदि का उचित प्रयोग करते हैं।

स्वच्छता अभियान 42

2 अक्टूबर 2014 को हमारे देश में स्वच्छ भारत अभियान का आरंभ हुआ।

1. आप स्वच्छता अभियान में किस प्रकार भाग ले सकते हैं?

_____

_____

2. स्वच्छता अपनाओ, बीमारी को दूर भगाओ। इस स्लोगन को पढ़कर आप भी एक स्लोगन लिखिए।

3. हमें प्लास्टिक के प्रयोग से बचना चाहिए। यह हमारे वातावरण के लिए बहुत ही हानिकारक है। प्लास्टिक से बनी चार चीजों के नाम लिखिए जो आप प्रयोग करते हैं।

(i)	(iii)
(ii)	(iv)

4. हमें अपने आस–पास के वातावरण को कैसे स्वच्छ रखना है ? कुछ सुझाव दीजिए।

(i)	(iii)
(ii)	(iv)

5. चित्रों के नाम लिखिए।

....

अधिगम प्रतिफल–

- विभिन्न प्रकार की गतिविधियों को समझकर परिवेश में घटित उदाहरणों के द्वारा मौखिक व लिखित भाषा में अभिव्यक्ति प्रस्तुत करते हैं।

जल का महत्व 43

जल है तो कल है।

प्यारे बच्चों! ऊपर दिए गए चित्र को ध्यान से देखिए और आपस में चर्चा कीजिए। आप चर्चा के लिए निम्न प्रश्नों को आधार बना सकते हैं।

1. दोनो चित्रों में क्या अन्तर है ?
2. ऊपर दिए गए दोनों चित्रों में से कौन सा चित्र समस्या से संबंधित है और कौन सा समाधान है?
3. जल संकट क्या होता है?
4. आखिर हमें जल संकट का सामना क्यों करना पड़ रहा है?
5. क्या आपने कभी जल संकट का सामना किया है?
6. जल संकट से आप/हम कैसे निपट सकते हैं?
7. जल संकट से निपटने में सरकार हमारी क्या मदद करती है?
8. जल संकट से निपटने के लिए हम क्या कर सकते हैं?

आइए, आपस में की गई चर्चा के आधार पर हम अपने समूह में ऊपर दिए गए विषय पर एक भाषण तैयार करते हैं तथा अपनी कक्षा या अपने परिवार में प्रस्तुत करते हैं।

अध्यापक/अभिभावक की सहायता से इस भाषण को बिंदुवार लिखने का भी प्रयास कीजिए।

अधिगम प्रतिफल–

- विभिन्न प्रकार की गतिविधियों को समझकर परिवेश में घटित उदाहरणों के द्वारा मौखिक व लिखित भाषा में अभिव्यक्ति प्रस्तुत करते हैं।

लोकगीत 44

प्यारे बच्चों। आज हम जो निबंध लिखने जा रहे हैं, वह आपकी हिंदी की पाठ्यपुस्तक 'वसंत' में पाठ 14 है। निबंध का नाम है– 'लोकगीत'। लोकगीत भगवतीशरण उपाध्याय जी द्वारा लिखित है। इस गद्यांश के द्वारा आज हम अलग–अलग राज्यों के नाम और उन राज्यों में गाए जाने वाले लोकगीत के बारे मे जानेंगे।

लोकगीत अपनी लोच, ताज़गी और लोकप्रियता में शास्त्रीय संगीत से भिन्न है। लोकगीत सीधे जनता के संगीत हैं। घर, गाँव और नगर की जनता के गीत हैं। ये वास्तविक लोकगीत देश के गाँवों और देहातों में हैं। इनका संबंध देहात की जनता से है। इनमें चैता, कजरी, बारहमासा, सावन आदि मिर्जापुर, बनारस और उत्तर प्रदेश के पूर्वी और बिहार के पश्चिमी जिलों में गाए जाते हैं। बाउल और भतियाली बंगाल के लोकगीत हैं। पंजाब में माहिया आदि इसी प्रकार के हैं। हीर–राँझा, सोहनी–महीवाल संबंधी गीत पंजाबी में और ढ़ोला–मारू आदि के गीत राजस्थानी में बड़े चाव से गाए जाते हैं। भोजपुरी में करीब तीस–चालीस बरसों से 'बिदेसिया' का प्रचार हुआ है। गाने वालों के अनेक समूह इन्हें गाते हुए देहात में फिरते हैं। उत्तर के जिलों में विशेषकर बिहार में बिदेसिया से बढ़कर दूसरे गाने लोकप्रिय नहीं हैं। इन गीतों में अधिकतर रसिकप्रियों और प्रियाओं की बात रहती है, परदेशी प्रेमी की और इनमें करुणा और विरह का रस बसता है।

गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

1. लोकगीत क्या है?

   (i) जनता के संगीत (ii) नेता के संगीत

   (iii) अभिनेता के संगीत (iv) राजाओं के संगीत

2. बाउल और भतियाली कहाँ के लोकगीत हैं ?

   (i) बिहार (ii) बंगाल (iii) असम (iv) तमिलनाडु

3. ढोला–मारू कहाँ का लोकगीत है?

   (i) असम (ii) गुजरात (iii) राजस्थान (iv) केरल

4. भोजपुरी में करीब तीस–चालीस बरसों से किस लोकगीत का प्रचार हुआ है?

   (I) बारहमासा (ii) बिदेसिया (iii) माहिया (iv) शतियाली

2. निम्नलिखित लोकगीतों का उनके राज्यों से मिलान कीजिए

लोकगीत	**राज्य**
(I) बाउल	पंजाब
(ii) हीर–राँझा गीत	बिहार
(iii) बिदेसिया	राजस्थान
(iv) ढोला–मारू	पश्चिम बंगाल

3. आप मूलतः किस राज्य से हैं ? .....

4. आप घर के बड़े सदस्यों से अपने राज्य में गाए जाने वाले लोकगीत के बारे में जानकारी प्राप्त करें और उस लोकगीत की कुछ पंक्तियाँ भी लिखें–

5. उदाहरण की सहायता से नए शब्द का निर्माण कीजिए।

उदाहरण लोक + गीत = लोकगीत

(i) _____ = _____

(ii) _____ = _____

(iii) _____ = _____

(iv) _____ = _____

(v) _____ = _____

(vi) _____ = _____

अधिगम प्रतिफल–

- अपने परिवेश में मौजूद लोक कथाओं और लोकगीतों के बारे मे चर्चा करते हैं।
- किसी पाठ्यपुस्तक की बारीकी से जाँच करते हुए उसमें किसी विशेष बिंदु को खोजते हैं और निष्कर्ष निकालते हैं।

भाषा 45

दोनों चित्रों को ध्यान से देखिए–

पहले चित्र में माँ बोलकर बेटे को किताब सही जगह रखने को कह रही है और बेटा माँ की बात सुनकर किताब सही जगह रख रहा है।

दूसरे चित्र में अध्यापक ब्लैक बोर्ड पर लिखकर बच्चों को समझा रहे हैं और बच्चे उसे पढ़कर समझ रहे हैं।

आगे का चित्र भी देखिए।

इस चित्र में एक लड़की अपने पिता से दुकान में रखे खिलौने की तरफ इशारा कर रही है। क्योंकि वह अभी छोटी है बोलना नहीं जानती। जो बोलने और सुनने में असमर्थ हों वे ऐसे इशारे से बात करते हैं। इस प्रकार हम कभी–कभी अपनी बातें इशारों में, बोलकर या लिखकर भी बताते हैं इसलिए कह सकते हैं कि अपने मन की बात दूसरों तक पहुँचाने और दूसरों की बात को समझने के साधन को भाषा कहते हैं।

भाषा के तीन रूप होते हैं–

मौखिक

लिखित

सांकेतिक

मौखिक – जब हम बोलकर दूसरों तक अपनी बात पहुँचाते हैं और वह सुनकर हमारी बात समझता है, वह मौखिक भाषा कहलाती है।

लिखित – जब हम लिखकर दूसरों तक अपनी बात पहुँचाते हैं और वह पढ़कर हमारी बात समझता है, वह लिखित भाषा कहलाती है।

सांकेतिक – जब हम इशारों द्वारा दूसरों को समझाने का प्रयास करते हैं और वह संकेतों से हमारी बात समझ जाता है उसे सांकेतिक भाषा कहते हैं।

आओ दोहराएं

1. नीचे दिए गए मटके में रखे शब्दों से खाली स्थान की पूर्ति कीजिए–

i. .....मन के भाव प्रकट करने वाला साधन है।

ii. हम अपने विचार ..... और ..... प्रकट करते हैं।

iii. हम दूसरों के विचार ..... और ..... समझते हैं।

iv. जो बोलने और सुनने में असमर्थ होते हैं वे ..... भाषा का प्रयोग करते हैं।

अधिगम प्रतिफल–

- हिंदी भाषा में विभिन्न प्रकार की सामग्री/पत्र–पत्रिका, इंटरनेट पर प्रकाशित होने वाली सामग्री आदि को समझकर पढ़ते हैं और उस पर मौखिक/ब्रेल/लिखित/सांकेतिक भाषा में अपनी पसंद–नापसंद, राय, टिप्पणी आदि देते हैं।

भोलू भालू का लालच 46

चलो बच्चों! कहानी बनाते हैं। उल्टे–सीधे वाक्यों को सही क्रम में लगाते हैं। दिए गए चित्रों में लिखी पंक्तियों को ध्यान से पढ़ें और सही क्रम में लगाकर कहानी बनाइए।

लालची भालू

भोलू भालू को लालच आ गया वह पेड़ पर झटपट चढ़ गया।

भोलू भालू ने रस को चखा और उसे वह बहुत स्वाद लगा।

मधुमक्खियों ने भोलू भालू के हाथ को काट लिया भोलू पेड़ से नीचे गिर गया।

भोलू भालू को पेड़ पर लगा एक मधुमक्खी का छत्ता दिखाई दिया।

भोलू भालू को भूख लगी थी।

छत्ते में से रस टपक रहा था।

उसने मधुमक्खी के छत्ते में हाथ डाल दिया।

उसके लालच ने उसे चोट लगवा दी।

1. _____
2. _____
3. _____
4. _____
5. _____
6. _____
7. _____
8. _____

इस कहानी से क्या सीख मिलती है? बताइए।

अधिगम प्रतिफल–

- पाठ्यक्रम की बारीकी से जाँच करते हैं। उसमें विशेष बिंदु को खोजकर लाते हैं और निष्कर्ष निकालते हैं।
- विभिन्न संदर्भों में विभिन्न उद्देश्यों के लिए लिखते समय उपयुक्त विराम–चिहनों, मुहावरों का प्रयोग करते हैं।

पत्र लेखन 47

प्यारे बच्चों! आप सभी को कभी–न–कभी विद्यालय से कुछ दिन के अवकाश (छुट्टी) की आवश्यकता हुई होगी, ऐसे में आपने अलग–अलग कारणों से अपने प्रधानाचार्या जी को प्रार्थना–पत्र अवश्य लिखा होगा। अवकाश के लिए निम्नलिखित कारण हो सकते हैं–

- बुखार / बीमार होने पर अवकाश के लिए प्रार्थना–पत्र।
- घर पर आवश्यक कार्य होने पर अवकाश के लिए प्रार्थना–पत्र।
- जन्मदिन होने पर अवकाश के लिए प्रार्थना–पत्र।
- किसी रिश्तेदार की शादी होने पर अवकाश के लिए प्रार्थना–पत्र।
- अन्य कारण (शिक्षक वर्णन करें)

.....

.....

.....

.....

.....

.....

प्यारे बच्चों! आप सभी निम्नलिखित प्रार्थना–पत्र को रिक्त स्थान भर कर पूरा कीजिए।

दो दिन के अवकाश के लिए अपने प्रधानाचार्य जी को एक प्रार्थना–पत्र लिखिए।

अवकाश के लिए प्रधानाचार्य को प्रार्थना–पत्र

सेवा में,

प्रधानाचार्य / प्रधानाचार्या

.....विद्यालय

....., दिल्ली

दिनांकः .....

विषय : दो दिन के अवकाश हेतु प्रार्थना–पत्र

महोदय / महोदया,

सविनय निवेदन यह है कि .....

.....

.....

.....

.....

अतः आप से निवेदन है कि मुझे दिनांक ..... से .....तक अवकाश प्रदान करने की कृपा करें। इसके लिए मैं आपका आभारी रहूँगा / रहूँगी।

भवदीय / भवदीया

नाम – .....

कक्षा – ..... वर्ग .....

....

अनुक्रमांक (रोल नंबर) .....

.

अधिगम प्रतिफल–

- विभिन्न अवसरों, संदर्भों में कही जा रही दूसरों की बातों को अपने ढंग से बताते हैं और लिखते हैं।
- रेडियों, टी.वी., अख़बार, इंटरनेट में देखी / सुनी गई ख़बरों के अपने शब्दों में कहते हैं।

औषधीय पेड़–पौधे 48

प्यारे बच्चों! पेड़–पौधे हमारे मित्र होते हैं। हमें अपने आस–पास खूब सारे पेड़–पौधे लगाने चाहिए। आओ कुछ पौधों की बात करें।

1. नीचे दी गई पत्तियों को पहचानकर उनके पेड़ों के नाम लिखिए

_____ _____ _____ _____

2. आपने–अपने घर में या घर के आस–पास कौन–कौन से पेड़–पौधे देखे हैं ? उनका नाम लिखिए।

_____ _____ _____ _____ _____

_____ _____ _____ _____ _____

3. नीचे दिए गए फूलों को पहचान कर उनके नाम लिखिए।

_____ _____ _____ _____

4. बीमारियों के बचाव में भी कुछ पौधे बहुत सहायक होते हैं। नीचे उनके नाम दिए जा रहे हैं। आपने उनका कैसे प्रयोग किया बताइए।

   (i) नींबू
   (ii) काली मिर्च
   (iii) तुलसी
   (iv) लौंग
   (v) दालचीनी

गतिविधि :– एक पौधा उगाइए और देखिए कि प्रत्येक दिन आपका पौधा कितना बढ़ता है? अपने पौधे का एक नाम भी रखिए।

अधिगम प्रतिफल–

- सरसरी तौर पर पाठ्यवस्तु को पढ़कर उसकी विषयवस्तु का अनुभव लगाते हैं।
- देखी ,सुनी घटनाओं, गतिविधियों पर बेझिझक बात करते हैं, प्रश्न करते हैं और बातचीत को अपने ढंग से आगे बढ़ातें हैं।

संदेश : सोनू की चिट्ठी 49

सादर प्रणाम!

दादी मुझे आपको एक खुशखबरी देनी है। आप हमेशा कहती हैं, ना मैं अपनी 'ऑनलाइन' कक्षा में आँखें कमजोर कर लूँगा तो प्यारी दादी मैं आपको बताना चाहता हूँ कि 'ऑनलाइन' ही एक स्लोगन प्रतियोगिता' हुई उसका चित्र फोन से खींचकर शिक्षिका को भेजना था, मैंने भी लिखा और भेजा। मुझे उसके लिए प्रथम पुरस्कार मिला और मेरी ऑनलाइन कक्षा में बहुत तारीफ हुई। मेरी प्यारी दादी मैं पढ़ाई के साथ ऑनलाइन कक्षा में गतिविधियाँ भी करता हूँ । आप मेरी चिंता मत करो। जिस स्लोगन के लिये मुझे पुरस्कार मिला है। वह स्लोगन यह है–

"भीड़ से दूर रहे, मास्क पहने ज़रूर,

बीमारी को भगाना है, कोरोना को हराना है।

आप अपना ध्यान रखना और जल्दी वापस आना।

आपका पोता,

शुभम

1. बच्चों आप भी शुभम की तरह कुछ अच्छे और जानकारी देने वाले स्लोगन लिखें।

.....

.....

.....

2. प्यारे बच्चों! कोरोना महामारी से बचने के लिए हमें किन–किन सावधानियों का ध्यान रखना चाहिए?

.....

.....

.....

.....

3. आप भी अपने किसी प्रियजन को कोई शुभ समाचार देते हुए संदेश लिखिए।

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

अधिगम प्रतिफल–

- देखी, सुनी (अनुभव की) गई घटनाओं पर बेझिझक अपनी राय प्रस्तुत करते हैं।
- विभिन्न विधाओं में लिखी गई साहित्यिक सामग्री को उपयुक्त उतार–चढ़ाव से पढ़ते हैं।

चित्र विवरण 50

1. निम्नलिखित चित्रों को ध्यान से देखिए और बताइए ये चित्र आपको क्या सन्देश दे रहे हैं–

अधिगम प्रतिफल–

- देखी, सुनी (अनुभव की) गई बातों जैसे– स्थानीय सामाजिक घटनाओं, कार्यक्रमों और गतिविधियों पर बेझिझक बात करते हे, प्रश्न करते है और बातचीत को अपने ढंग से आगे बढ़ाते हैं।
- विभिन्न अवसरों/संदर्भों में कही जा रही दूसरों की बातों को अपने ढंग से बताते हैं और लिखते हैं।
- किसी पाठ्यपुस्तक की बारीकी से जाँच करते हुए उसके किसी विशेष बिंदु को खोजते हैं और निष्कर्ष निकालते हैं।

मनपसंद खेल 51

प्यारे बच्चों! खेल हमारे जीवन का अभिन्न अंग है। नीचे अलग–अलग खेलों से संबंधित चित्र हैं। इनमें से आप कई खेल खेलते होंगे ।

''मेरा मनपसंद खेल'' पर दस पंक्तियाँ लिखिए–

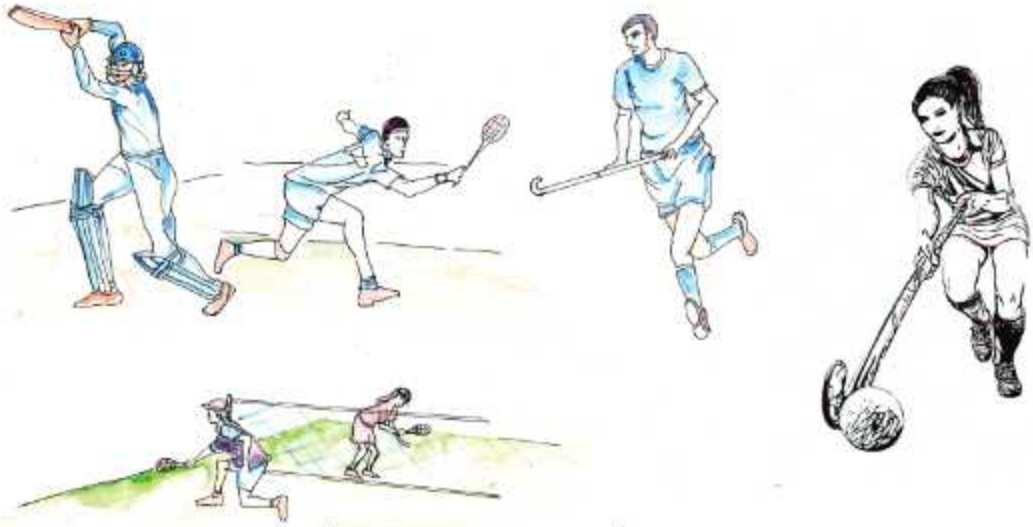

मेरा मनपसंद खेल

अधिगम प्रतिफल–

- विभिन्न अवसरों / संदर्भों में कही जा रही दूसरों की बातों को अपने ढंग से बताते हैं और लिखते हैं।

कतरीवेल स्वामी की कहानी 52

प्यारे बच्चो! मेरी हिंदी बोलने वाले विद्यार्थियों की कक्षा में एक विद्यार्थी तमिल भाषा बोलने वाला भी था। उसका नाम था – कतरीवेल स्वामी। हिंदी भाषा सही से न बोलने के कारण उसका कोई मित्र नहीं बन पाता था, तो कतरीवेल को एक उपाय सूझा। उसने हिंदी के कुछ शब्दों का ज्ञान कक्षा में ले लिया था। अब उसने मध्यावकाश (आधी छुट्टी) में हिंदी के कुछ शब्दों को कक्षा के बोर्ड पर लिखा और उनके सामने तमिल भाषा में भी उनके समानार्थी शब्द लिखे और देखते ही देखते कक्षा में जो अन्य बोलियाँ बोलने वाले छात्र थे, जैसे राजस्थानी, पंजाबी, उर्दू, भोजपुरी आदि–आदि छात्रों ने भी अपनी अपनी बोलियों के समानार्थी शब्द उन्हीं के सामने लिखे। इस प्रकार इस खेल में सभी को बड़ा मज़ा आया और कतरीवेल स्वामी के ढ़ेरों मित्र बन गए और सभी बच्चों ने विभिन्न बोलियों को भी सीखा, तो देखा आपने उसने किस तरह भाषा से नए–नए मित्र बनाए। मैं भी आपको मित्र बनाना चाहती हूँ इसलिए एक शब्द मैं भी बताना चाहती हूँ। आओ जाने नमस्कार को विभिन्न भाषाओं, बोलियों मे कैसे बोलते हैं?

नमस्कारः → (संस्कृत)	नमस्ते → (हिन्दी)	Hello → (अग्रेजी)	खम्माघणी → (राजस्थानी)	सत् श्री अकाल (पंजाबी)
अस्सलामु अलैकुम → (उर्दू)		नमस्कार → (बंगाली)	नमस्कारम → (तेलुगु)	राम राम (हरियाणवी)
परनाम → (भोजपुरी)		की आल आई → (डोगरी)	→	वणक्कम (तमिल)

आप भी कुछ बताइए –

1. बच्चों आप अपने घर मे कौन–सी भाषा बोलते हैं?

.....

2. अपने आस–पास बोले जाने वाले कुछ ऐसे शब्द बताएँ जो अन्य बोलियों के हैं?

.....

गतिविधिः– एक पेपर (कागज़ का टुकड़ा लें, उस पर विभिन्न बोलियों के शब्द लिखें, और अपने मित्र के साथ 'tik-tik' खेल खेलें, जब आप 'tik-tik' बोलें, आपका मित्र जहाँ 'रूको' कहे वहाँ रूक कर उसे उस बोली का नाम पूछें।

अधिगम प्रतिफल–

- अपने से भिन्न भाषा, खान–पान, रहन–सहन संबंधी विविधताओं पर बातचीत करते हैं।

नीलू कबूतर 53

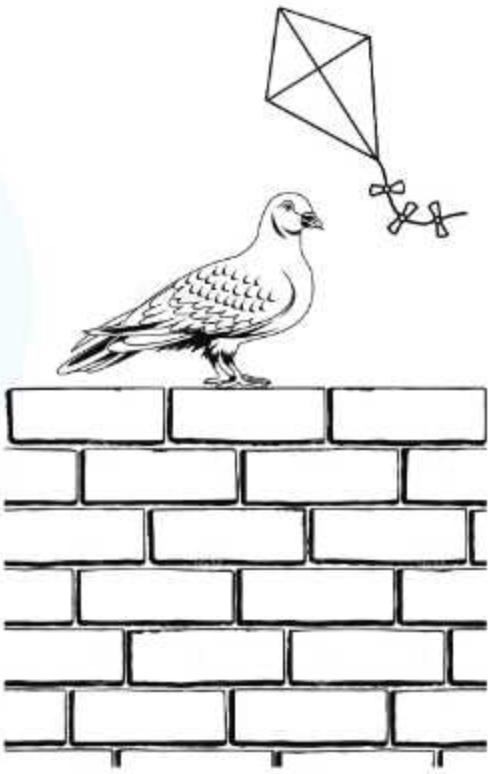

नीलू कबूतर आज सुबह से ही भोलू के घर की मुंड़ेर पर डरा सा बैठा था। इधर–उधर मुंड़ेर पर घूमता, थोड़ा उड़ता और फिर बैठ जाता। तभी भोलू दौड़ता हुआ उसके पास आया। उसने नीलू कबूतर को कहा "मेरे प्यारे दोस्त! ये देखो तिरंगा झंडा। आज 15 अगस्त है। तुम्हें भी आज़ादी का दिन मुबारक हो। आज हम अपने विद्यालय में झंडा फहराएँगें, और शाम को मैं भैया के साथ पतंग उड़ाऊँगा, वाह! आज तो बहुत मज़ा आएगा।"

भोलू की बात सुनकर नीलू कबूतर और अधिक उदास हो जाता है और कहता है। "कैसी आज़ादी मित्र? तुम आज़ादी का उत्सव पतंग उड़ाकर मनाते हो, और तुम्हारे माँझे के धागे की धार से उलझ कर हम मर जाते हैं। मुझे तो आज बहुत डर लग रहा है। मैं तो आज कहीं नहीं जाऊँगा।"

नीलू की बात सुनकर भोलू भी उदास हो जाता है और अपने भैया के पास दौड़कर जाता है और कहता है कि आज हम पतंग नहीं उड़ाएँगें।

1. प्यारे बच्चों! भोलू और नीलू की बातचीत से आपको क्या पता लगा ?

.....

.....

2. नीलू कबूतर की बात सुनकर भोलू ने क्या निर्णय लिया ?

.....

.....

3. आप 15 अगस्त (स्वतंत्रता दिवस) कैसे मनाते हैं ?

.....

.....

गतिविधि :– एक तिरंगा झण्डा बनाकर अपनी शिक्षिका को भेंट करें।

अधिगम प्रतिफल–

- सुनी, देखी (अनुभव की) गई बातों जैसे– स्थानीय सामाजिक घटनाओं, कार्यक्रमों और गतिविधियों पर बेझिझक बात करते हैं, प्रश्न करते हैं और बातचीत को अपने ढंग से आगे बढ़ाते हैं।